● वर्ष-3
● अंक-254
रायपुर, रविवार
02 जून 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› यह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियां ....

एग्जिट पोलः एनडीए को 366, इंडिया गठबंधन को 144 सीटें मिलने की संभावना, अन्य को 33 सीटें

मोदी हैट्रिक लगाते हुए तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को

Source	NDA	I.N.D.I.A.	OTH
India News- D-Dynamics	371	125	47
Jan Ki Baat	362-392	141-161	10-20
Republic Bharat- Matrize	353-368	118-133	43-48
Republic TV - P MARQ	359	154	30
News Nation	342-378	153-169	21-23
NDTV Poll Of Polls	361	145	37

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को मतगणना के बाद सामने आएंगे, लेकिन विभिन्न मीडिया समूहों और संस्थाओं की ओर से किए गए सर्वेक्षणों, यानी एक्जिट पोल्स में यह स्पष्ट अनुमान जताया गया है कि देश में एक बार फिर बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्तासीन होने जा रही है. यह अनुमान साफ तौर पर इशारा कर रहे हैं कि नरेंद्र मोदी हैट्रिक लगाते हुए तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं. लोकसभा की कुल 543 सीटें हैं. बहुमत के लिए 272 सीटें जरूरी हैं. एनडीटीवी पोल आफ पोल्स के आकलन के मुताबिक एनडीए को 366 सीटें, इंडिया गठबंधन को 144 सीटें और अन्य को 33 सीटें मिलने की संभावना है.

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण का मतदान आज खत्म हो गया. सातवें चरण का मतदान होते ही अब सभी की नजरें चुनाव के नतीजों पर हैं. नतीजों से पहले चुनाव को लेकर मतदान के दौरान किए गए सर्वेक्षणों, यानी एक्जिट पोल्स के नतीजों के आधार पर एनडीटीवी ने पोल ऑफ पोल्स में औसत नतीजों का आकलन किया है.

एनडीटीवी ने पोल ऑफ पोल्स में तमाम न्यूज चैनल्स और एजेंसियों के अनुमान पर अपना आकलन किया है. इस बार के चुनाव में मुख्य तौर पर मुकाबला एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के बीच है. एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और एनडीए इस बार 400 के पार का लक्ष्य हासिल करने के लिए हुंकार भर चुकी है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष इस बार सत्ता में वापसी का दावा कर रही है. पीएम मोदी ने इस बार के चुनाव में 200 से ज्यादा रैलियां और चुनावी सभाएं की हैं.

इंडिया न्यूज डी डायनामिक्स के एक्जिट पोल के मुताबिक एनडीए को 371, इंडिया गठबंधन को 125 और अन्य को 47 लोकसभा सीटें मिलने जा रही हैं. जन की बात के एक्जिट पोल के अनुसार एनडीए को 362 से 392 सीटें, इंडिया गठबंधन को 141 से 161 सीटें और अन्य को 10 से 20 सीटें मिल सकती हैं.

रिपब्लिक भारत मेट्रिज ने एक्जिट पोल में अनुमान लगाया है कि एनडीए 353 से 368 लोकसभा सीटें जीत सकता है. इंडिया गठबंधन 118 से 133 सीटें और अन्य 43 से 48 सीटें हासिल कर सकते हैं. रिपब्लिक टीवी-पी मार्क के सर्वेक्षण के अनुसार एनडीए 359, विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 154 और अन्य को 30 सीटें जीत सकते हैं.

दैनिक भास्कर के एक्जिट पोल के मुताबिक एनडीए को 353 से 368 सीटें, इंडिया गठबंधन को 145 से 201 सीटें और अन्य को 33 से 49 सीटें मिल सकती हैं. न्यूज नेशन के एक्जिट पोल में अनुमान जताया गया है कि एनडीए को 342 से 378 सीटें, इंडिया गठबंधन को 153 से 169 सीटें और अन्य को 21 से 23 सीटों पर विजय मिल सकती हैं.

इंडिया न्यूज-पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में एनडीए को 371 सीटें मिलने, इंडिया को 125 सीटें मिलने और अन्य को 47 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है.

न्यूज 24-टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल में अनुमान जताया गया है कि एनडीए को 400 सीटें, इंडिया गठबंधन को 107 सीटें और अन्य को 36 सीटें मिल सकती हैं.

एबीपी न्यूज-सी वोटर के एग्जिट पोल के अनुसार एनडीए के 353 से 383 सीटें, इंडिया गठबंधन के 152 से 182 सीटें और अन्य के चार से 12 सीटें जीतने के आसार हैं. इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया के सर्वे के मुताबिक एनडीए 361 से 401, इंडिया गठबंधन 131 से 166 और अन्य आठ से 20 सीटें जीत सकते हैं.

पिछले लोकसभा चुनाव में सन 2019 में बीजेपी ने 303 सीटें जीती थीं. कांग्रेस को सिर्फ 52 सीटें मिल सकी थीं. वाईएसआर कांग्रेस और द्रमुक ने 23-23 सीटें, तृणमूल कांग्रेस ने 22 और शिवसेना ने 18 सीटें जीती थीं. जनता दल यूनाईटेड ने 16 सीटें, समाजवादी पार्टी ने 5 सीटें और बीएसपी ने 10 सीटें जीतने में सफलता हासिल की थी.

भाजपा की भारी जीत की भविष्यवाणी के बीच मोदी का थैंक्यू नोट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे की अपनी ध्यान साधना पूरी की और तमिल संत कवि तिरुवल्लुवर को पुष्पांजलि अर्पित की। ध्यान सत्र के समापन पर, सफेद वस्त्र पहने मोदी ने स्मारक के बगल में स्थित उस परिसर का दौरा किया, जहां तिरुवल्लुवर की 133 फुट ऊंची प्रतिमा स्थित है और वहां एक विशाल माला चढ़ाई। वह नौका द्वारा प्रतिमा परिसर गये और बाद में वह तट पर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा चुनाव में सक्रिय भागीदारी के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने कन्याकुमारी में

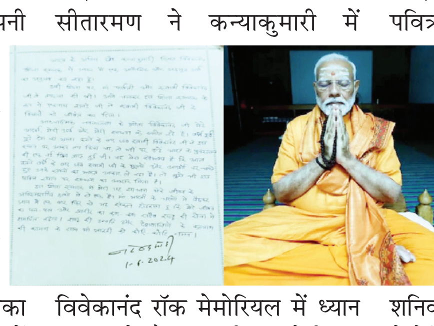

विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान पूरा करने के बाद पीएम मोदी का एक नोट साझा किया। पीएम ने लिखा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज इतने वर्षों के बाद, जब भारत स्वामी विवेकानन्द के मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक है, मुझे भी इस पवित्र स्थान पर ध्यान करने का अवसर मिला है... मां भारती के चरणों में बैठकर मैं एक बार फिर अपने संकल्प की पुष्टि करता हूं कि मेरे जीवन का हर पल और मेरे शरीर का हर कण हमेशा राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे की अपनी ध्यान साधना पूरी की और तमिल संत कवि तिरुवल्लुवर को पुष्पांजलि अर्पित की।

कम से कम 295 लोकसभा सीटें जीतेंगेः खड़गे

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को आम चुनाव संपन्न होने के बाद भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में अपने आवास पर गठबंधन नेताओं की बैठक के बाद कहा कि इंडिया ब्लॉक कम से कम 295 लोकसभा सीटें जीतेगा। खड़गे ने इंडिया ब्लॉक की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा ने कहा कि हम कम से कम 295 सीटें जीतेंगे। यह लोगों का सर्वेक्षण है और इसके आधार पर हमें 290 से अधिक सीटें मिल रही हैं। खड़गे ने कहा कि आज हमारी ढाई घंटे तक

बैठक हुई, हमने कई मुद्दों पर बात की, खासकर चुनाव पर। हमने चुनाव के दौरान गठबंधन की कमजोरी पर बात की और हमने जो सबक सीखा उस पर चर्चा हुई। हमने मतगणना वाले दिन की तैयारी पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने निर्णय लिया है कि आज बीजेपी और उनके साथी एग्जिट पोल पर खूब चर्चा करेंगे, नैरेटिव देंगे। हम चाहते हैं कि लोग सच्चाई जानें। इंडिया गठबंधन के नेताओं की दिल्ली में बैठक की। उन्होंने फैसला किया है कि भारत की सभी पार्टियां आज शाम टेलीविजन पर एग्जिट पोल की बहस में हिस्सा लेंगी।

ANI

सातवें और अंतिम चरण में 58% मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए मतदान समाप्त हो चुका है. 5 बजे तक देशभर में कुल 58.34 प्रतिशत मतदान हुए हैं. जिसमें सबसे अधिक पश्चिम बंगाल में 69.89 प्रतिशत मतदान हुए हैं. जबकि सबसे कम मतदान बिहार में हुए हैं. बिहार में केवल 48.86 प्रतिशत मतदान 5 बजे तक हुए हैं. इस चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 904 उम्मीदवार मैदान में हैं. 7 राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की कुल 57 सीटों पर लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. ओडिशा की शेष 42 विधानसभा सीट के लिए भी मतदान शनिवार को हुए। चुनाव आयोग ने सभी को दिया धन्यवाद- आम चुनाव 2024 के सातवें चरण का मतदान समाप्त होने पर, भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं, मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों, मीडिया और राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया.

मतगणना चार जून को सुबह आठ बजे से शुरू होगीः चुनाव आयोग

नयी दिल्ली । निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव, आंध्र प्रदेश और ओडिशा की राज्य विधानसभाओं तथा विधानसभा उपचुनावों के लिए मतगणना चार जून को सुबह आठ बजे से शुरू होगी। आयोग ने कहा कि सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती रविवार सुबह छह बजे से शुरू होगी। सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती की तारीख चार जून की जगह दो जून कर दी गई थी क्योंकि दोनों विधानसभाओं का कार्यकाल दो जून को समाप्त हो रहा है.

प्रदेश में भीषण गर्मी से 12 की मौत

रायपुर। प्रदेश में हीट वेव से होने वाली मौत का आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। अब तक भीषण गर्मी से 12 लोगों की मौत हो चुकी है जिसमें एक जवान रायपुर में, बिलासपुर में एक महिला, जांजगीर चांपा में दो ट्रक ड्राइवर और कांकेर में एक ट्रक ड्राइवर की हीट वेव से मौत हो चुकी है। वहीं, प्रदेश के अन्य जगहों से भी मौत होने की खबरें हैं। आज राजधानी रायपुर के तापमान की बात करें तो रायपुर में तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में दो अलग, अलग जगह तीन लोगों की मौत से हड़कंप है,तीनों मृतक ट्रक चालक बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यहां दो ट्रक चालकों की पीआईएल रोड चांपा,जबकि एक की शिवरीनारायण में अचानक तबियत बिगड़ी जिनके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया था,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो गए हैं। दिन के साथ ही रात में गर्मी से हवा झुलसाने लगी है। इधर भीषण गर्मी के चलते लगातार मौत भी हो रही है। नवतपा के दूसरे दिन से गर्मी अपना तेवर दिखा रही है। अब जानलेवा साबित होने लगी है। पिछले पांच दिन से बन रहे लू के हालात की वजह से लोगों की सेहत भी लगातार बिगड़ रही है और लोग जान भी गंवा रहे हैं। राजधानी में लू की वजह से दो और लोगों की मौत होने की खबर है।

प्रमुख समाचार

देश में भीषण गर्मी की चपेट में आने से 56 लोगों की हुई मौत

नयी दिल्ली । भारत में मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चपेट में आए 24,849 लोगों में से 56 की मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, केवल मई में ही 46 लोगों की मौत हुई। इसमें बताया गया कि एक मई से 30 मई के बीच देश में लू के 19,189 संदिग्ध मामले सामने आए। सूत्रों ने बताया कि इन आंकड़ों में उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में हुई मौतों की संख्या को शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में मौतों का आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है। देश के ज्यादातर हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। भारत में शुक्रवार को गर्मी से संबंधित मामलों में कम से कम 40 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली, जिनमें उत्तर प्रदेश और बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए तैनात 25 कर्मचारी भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को भी भीषण गर्मी के कारण ओडिशा में 10, बिहार में आठ, झारखंड में चार और उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, राजस्थान में गर्मी से अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है।

केजरीवाल को करना होगा सरेंडर, जमानत पर 5 को फैसला

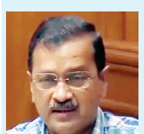

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई. दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा मेडिकल आधार पर दायर अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली की एक अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. अदालत ने आदेश सुनाने के लिए 5 जून की तारीख तय की है. इस तरह अरविंद केजरीवाल को दो जून को तिहाड़ जेल में सरेंडर करना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2 जून तक के लिए जमानत दी थी. सुनवाई के दौरान ईडी ने याचिका का विरोध करते हुए कहा, इस अंतरिम जमानत याचिका को खारिज किया जाना जरूरी है क्योंकि इसमें तथ्यों को पूरी तरह से छिपाया गया है. ईडी ने कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भ्रामक दावा किया कि वह दो जून को खुद ही आत्मसमर्पण कर देंगे. ईडी के वकीलों ने कहा यह अदालत सुप्रीम कोर्ट के आदेश को संशोधित नहीं कर सकती. वह अंतरिम जमानत पर है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उसे जमानत दी है.ईडी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का वजन 1 किलो बढ़ गया है.

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को बड़ी राहत

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दायर मानहानि मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार को जमानत दे दी। यह मामला भाजपा के आरोपों के इर्द-गिर्द घूमता है कि कांग्रेस नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई सहित भाजपा नेताओं को निशाना बनाते हुए झूठे विज्ञापन प्रसारित किए। शनिवार को सिद्धारमैया और शिवकुमार 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। उनकी याचिका पेश होने के बाद अदालत ने दोनों नेताओं को जमानत देने का फैसला किया। भाजपा नेता द्वारा दायर मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सात जून को बेंगलुरु की अदालत में पेश होने को कहा गया। बीजेपी द्वारा दायर मानहानि मामले में अदालत में पेश होने के बाद कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मैं कानूनी अभिभावक के रूप में न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित हुआ। मुझे जमानत मिल गयी है। मेरे, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और राहुल गांधी के खिलाफ भी एक निजी शिकायत दर्ज की गई थी। राहुल गांधी भी कोर्ट में पेश होंगे। वाल्मिकी निगम मामले पर उन्होंने कहा, किसी को बचाने का सवाल ही नहीं है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोवा बना लिविंग विल लागू करने वाला पहला राज्य

नई दिल्ली। गोवा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां लिविंग विल लागू हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस एम एस सोनक ने कार्यक्रम के दौरान 'जीवन के अंत में देखभाल की वसीयत', जिसे लिविंग विल भी कहा जाता है। इसके साथ ही एम एस सोनक लिविंग विल को लागू करने वाले पहले जज बन गए हैं। जस्टिस सोनक ने भारतीय चिकित्सा संघ की गोवा शाखा और गोवा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। हम सभी अपने जीवन जीने में बहुत व्यस्त हैं, और इससे हमें जीवन के अंत के मुद्दों पर विचार करने के लिए मुश्किल से ही समय मिलता है जो अपरिहार्य हैं, और जिनके लिए हमें थोड़ी पहले से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। बता दें कि देश की सर्वोच्च अदालत ने 2018 में निष्क्रिय इच्छामृत्यु को वैध कर दिया था, बशर्ते व्यक्ति के पास लिविंग विल हो, या एक लिखित दस्तावेज़ हो, जिसमें यह निर्दिष्ट हो कि यदि व्यक्ति भविष्य में अपने स्वयं के चिकित्सा निर्णय लेने में असमर्थ है तो उसे क्या कार्रवाई करनी है।

अफगानिस्तान में नाव दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

जलालाबाद। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत नांगरहार की एक नदी में शनिवार को नाव पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी और पांच अन्य लापता हो गये । एक स्थानीय अधिकारी ने आज इसकी पुष्टि की। प्रांतीय सूचना विभाग के प्रमुख कुरैशी बडलून ने बताया कि दुर्घटना आज सुबह हुई, जब नाव मोमंद दारा जिले के बसोल इलाके में नदी पार करते समय डूब गयी। उन्होंने बताया कि नाव में 26 लोग सवार थे। श्री बडलून ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की डूबने से मौत हो गयी। नाव में सवार 13 लोगों को बचा लिया गया, जबकि पांच अन्य लापता हैं। यात्रियों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। उन्होंने बताया कि अब तक आठ शव बरामद किये गये हैं।

इंडिगो विमान में बम की धमकी

मुंबई। चेन्नई से मुंबई आ रहे इंडिगो विमान को बम की धमकी के बाद शनिवार को मुंबई में आपात स्थिति में उतार लिया गया। सूत्रों ने बताया कि चेन्नई-मुंबई रूट पर उड़ान भरने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-5314 के लिए उस समय पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया, जब पायलट ने मुंबई एटीसी को विमान में कथित बम की धमकी की सूचना दी।

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

ललित गर्ग

लोकसभा के सातवें चरण के चुनाव होने शेष रहे हैं, सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी है। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर क्या करवट लेगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा?

छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा-किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरुआत तो करता है, लेकिन यह शुरुआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी?

भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसों एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसें एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां।

भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है।

हाल के बरसों में जानकारों और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता है जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते है कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रूक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्मार्टनेस की इस दुहाई के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और वह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए? बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून है, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को 'नजर' नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगवाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन नगर निकाय एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 02 जून 2024

दुर्ग सीट पर मतगणना की तैयारियां पूरी

लगाई गई एसी, ड्रेस कोड भी हुआ निर्धारित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब मतगणना की तैयारी पूरी कर ली गई है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में मतगणना की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। 4 जून को भिलाई के जुनावनी श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज में सुबह से मतों की गिनती की जाएगी।मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाए जाएंगे।

इस बारे में दुर्ग जिला कलेक्टर और निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने मतगणना की तैयारियों को लेकर कई जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि, दुर्ग लोकसभा क्षेत्र की 9 सीट में से 6 सीटों की गिनती शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज में होगी। बेमेतरा की बाकी 3 सीटों की गणना बेमेतरा में ही होगी। राउंडवाइज सभी 9 विधानसभा की जानकारी मतगणना स्थल से उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज में 14-14 टेबल लगाएं जाएंगे। वीवीपैट के लिए हर विधानसभा से रेंडमली पांच वीवीपैट निकालकर उसकी गिनती की जाएगी। पार्टी एजेंट के बैठने की व्यवस्था पूरी कर ली गई है। मीडिया सेंटर की भी व्यवस्था की गई है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का इस्तेमाल करने पर मनाही होगी। स्ट्रांगरूम के आसपास शुरू से ही सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई है। उसके बाहर जिला पुलिस बल के जवानों की तैनाती होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा मतगणना के तहत सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी। इसके बाद सुबह 8.30 बजे से राउंडवाइज ईवीएम की गिनती होगी। इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए मतगणना स्थल पर एसी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। स्ट्रांग रूम में पहली बार एसी लगाया जाएगा। एक मतगणना हॉल में दो-दो एयर कंडीशन लगाया जाएगा। वहीं, मीडिया सेंटर में भी इस बार एयर कंडीशन लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस पूरे मामले में दुर्ग जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे ने कहा कि, दुर्ग जिले का तापमान 46 डिग्री सेंटीग्रेट को पार कर गया है। दोपहर में लोग बाहर निकलना बंद कर दिए हैं। ऐसे में कई घंटे तक मतगणना स्थल में ड्यूटी करना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। वहां किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो, इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने सभी मतगणना हॉल में एसी लगाने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही इस बार पहली बार रनर के लिए अलग-अलग रंग के टी शर्ट ड्रेस कोड निर्धारित किए गए है। यहां चतुर्थी श्रेणी के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी की अलग-अलग विधानसभावार ईवीएम ले जाने की ड्यूटी लगाई गई है। ड्रेस कोड और विशेष पास के जरिए ये कर्मचारी अपने स्ट्रांग्न रूम तक जाएंगे। ईवीएम मशीन को काउंटिंग टेबल तक पहुंचाने का काम करेंगे।

सूरजपुर मां महामाया सहकारी शुगर मिल का बोर्ड भंग

सूरजपुर। सूरजपुर के केरता मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाने से बड़ी खबर सामने आ रही है। इस कारखाने के बोर्ड को प्रशासन ने भंग करने का फैसला लिया है। सूरजपुर के कलेक्टर अब इस चीनी कारखाने के बोर्ड के अध्यक्ष होंगे। इसके साथ ही अब नए सदस्यों के चुनने की प्रक्रिया आने वाले समय में यहां शुरू होगी। अभी जिले के कलेक्टर रोहित व्यास को केरता मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाने के बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। साय सरकार ने केरता शक्कर कारखाने के समूचे बोर्ड को भंग कई शिकायतों को मिलने के बाद किया है। साल 2019 में कांग्रेस शासनकाल में सहकारी शक्कर कारखाना संचालन के लिए बोर्ड अध्यक्ष को चुना गया था। इस बोर्ड में उपाध्यक्ष समेत सदस्य बनाए गए थे। जिनका इस साल सितंबर महीने में कार्यकाल पूरा होना था। उससे पहले ही साय सरकार ने बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। कलेक्टर रोहित व्यास ने कहा शक्कर कारखाना का बोर्ड रजिस्ट्रार ने भंग कर दिया गया है। शक्कर की कमी और कई तरह की अनियमितता के कारण इसे भंग किया गया है।जिला कलेक्टर को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाने के बोर्ड सदस्यों को लेकर कई शिकायतें मिली थी। जिसकी जांच शुरू की गई।

प्रशासन की नाक के नीचे धड़ल्ले से हो रहा मुरुम उत्खनन

मजदूर की मौत के बाद भी नहीं लिया सबक

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में अवैध तरीके से मिट्टी मुरुम का उत्खनन का सिलसिला जारी है। तो प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करते नजर आ रहा है। तो खनन माफिया अपने काम को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं। लगातार अवैध तरीके से मुरुम का उत्खनन जारी है।

पिछले दिनों जिले के दर्री गांव में अवैध तरीके से मुरुम की खुदाई के दौरान हादसा हो गया था। यहां खुदाई के दौरान मिट्टी का एक हिस्सा मजदूरों के ऊपर जा गिरा। जिसके नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद भी प्रशासन का सुस्त रवैये से मिट्टी मुरुम का अवैध उत्खनन करने वाले खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। वे बेखौफ मिट्टी मुरुम की अवैध खुदाई कर मुरुम को कॉलोनाइजर के प्लांट में डालकर बराबर करने का सिलसिला लगातार जारी रखे हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर खनिज विभाग सिर्फ खाना पूर्ति करते हुए रेत के अवैध परिवहन पर जरूर छोटी-मोटी कार्रवाई कर रहा है।

उधर, मिट्टी मुरुम के अवैध उत्खनन से बंधी बचरवार मुक्तिधाम और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो में विशालकाय गड्ढे बन गए हैं। जिससे आने वाले बरसात के दिनों में बारिश का पानी भर जाने से कोई अप्रिय घटना घटित हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। जिला खनिज अधिकारी सबीना खान का कहना है अवैध उत्खनन कर कॉलोनाइजर के द्वारा अपने प्लॉट में मुरुम डालने का मामला सामने आया। शिकायत मिलने के बाद खनिज विभाग की टीम भी उस जगह का निरीक्षण करने पहुंची जहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। साथ ही कॉलोनाइजर को भी नोटिस जारी किया गया है। उससे 7 दिन के अंदर जवाब मांगा गया है कि मिट्टी मुरुम कहां से उत्खनन कर लाया गया है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर विधिवत कार्रवाई की बात कही है। साथ ही नोटिस के बाद भी उसके द्वारा मिट्टी मुरुम का अवैध उत्खनन कर प्लांट में पाटने के मामले में जांच टीम मौके पर भेजकर जानकारी लिए जाने की बात कही है।

गौरेला में नाली का गंदा पानी पीने को मजबूर राष्ट्रपति के कहे जाने वाले दत्तक पुत्र

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही में राष्टपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले बैगा आदिवासी गंदा पानी पीकर गुजारा कर रहे हैं। शुद्ध पानी मानों इनकी किस्मत में ही नहीं। ना कुंआ, ना ही हैंडपंप ये आदिवासी नाले और गड्ढे का पानी पीकर गुजारा कर रहे हैं। इस पानी के लिए भी इनको दो किलोमीटर का सफर तय करना पड़ रहा है। इनके ये हालात आदिवासी और बैगा विकास के नाम पर चल रही तमाम योजनाओं की हकीकत बयां कर रहा है। ये लोग आज के दौर में भी पाषाण युग में जी रहे हैं।

गड्ढे के पानी पर निर्भर बैगा आदिवासी- दरअसल गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में बैगा आदिवासियों का बुरा हाल है। गौरेला जनपद पंचायत के ठाड़पथरा, आमानाला, दुर्गाधारा क्षेत्र में रहने वाले राष्टपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले बैगा आदिवासी आज भी साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। इनके हालात ऐसे हैं जैसे कि ये पाषाण युग में जीवन जी रहे हों। न पक्की सड़कें हैं नहीं पीने का साफ पानी इनको मिलता है। इलाके में कुंआ और हैंडपंप नहीं के बराबर है। बैगा आदिवासियों का कहना है कि वो पानी के लिए पहाड़ी नाले के पास एक गड्ढा कर उसमें पानी जमा करते हैं और फिर उसका इस्तेमाल करते हैं।

निस्तारी के लिए इसी पानी का करते हैं इस्तेमाल- ये बैगा आदिवासी जिन गड्ढों से पानी पीते हैं, उन गड्ढों में पेड़ों से गिरे हुए पत्ते सड़ रहे हैं। बगल में काई भी जमी हुई है। इसी पानी का इस्तेमाल गांव के लोग निस्तारी के लिए भी करते हैं। गांव के लोग इसी पानी के कपड़े भी धोते हैं।

बैगा आदिवासी ने कहा गांव में हैंडपंप तो है, पर वो भी खराब है। एक हैंडपंप से लाल पानी आ रहा है, जो पीने योग्य नहीं है, इसलिए मजबूरी में यहां पर रहने वाले ग्रामीण गंदा पानी पीनें को मजबूर हैं। बरसात के दिनों में जब नाले में बाढ़ आ जाती है, तब ये लोग बाढ़ का पानी कम होने के बाद बगल में गड्ढा खोदकर उसी पानी को पीते हैं। यही कारण है कि गंदा पानी पीने से अक्सर बीमार पड़ते हैं। बरसात के दिनों में होती है परेशानी- बात अगर पहुंच मार्ग की करें तो यहां सड़क जैसी कोई चीज नजर नहीं आती। बारिश के दिनों में कच्ची सड़कों पर यहां चलना जान जोखिम में डालने के बराबर है। बारिश के दिनों में सड़कों का कटाव पानी से हो जाता है। अगर कोई रात के वक्त बारिश के दिनों में बीमार हो जाए तो उसे शहर तक ले जाना मुश्किल हो जाता है। लोगों की शिकायत है कि उनकी समस्या को देखने के लिए कोई भी अधिकारी यहां नहीं आता है।

जल संकट से जूझ रहे धमतरी के कई गांव

धमतरी। धमतरी जिला बीते साल हुई कम बारिश के चलते जल संकट से जूझ रहा है। जिले के अधिकांश गांवो में पेयजल की बड़ी समस्या बनी हुई है। इसके साथ ही जिले के गंगरेल बांध सहित चारों बांधों की हालत खराब है। ऐसे में वर्षा जल को संचय करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जल जगार अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत लोगों को जिले में होने वाली वर्षा के जल को संचय करने के तरीके बताए जा रहे हैं।

दरअसल लोग तेजी से पेड़ पौधों को काट रहे हैं, साथ ही साल दर साल जंगलों का दायरा भी सिमटता जा रहा है। जिसका असर मानसून पर पड रहा है। दूसरी ओर लोग भूमिगत जल का अंधाधुंध उपयोग कर रहे हैं, जिससे ग्राउंड वाटर लेबल भी तेजी से नीचे जा रहा है। ऐसे में धमतरी के अधिकांश गांवों के लोग पीने के पानी के लिए काफी मशक्कत कर रहे हैं जिसको देखते हुए धमतरी जिला प्रशासन ने जल को संरक्षित करने और वर्षा के स्वच्छ पानी को जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को अपनाकर जल स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से जल जगार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को वर्षा जल का संचय करने के तरीकों को बता रहे है।जिससे आने वाले दिनों में पानी की कोई दिक्कत ना हो,साथ ही आने वाले पीढी के लिए भी भूमिगत को बचाया जा सके।

अतिक्रमण पर चला ननि का बुलडोजर कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा

■ **जेसीबी पर चढ़ी महिला**

कोरबा। कोरबा में शिव नगर रूमगढ़ा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर बनाए गए बाउंड्री वॉल के खिलाफ की गई शिकायत पर कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान मकान मालिक और अन्य लोगों ने जमकर हंगामा मचाया।

नगर पालिका निगम के वार्ड क्रमांक 42 शिवनगर रुमगारा में अवैध कब्जा को लेकर नगर निगम आयुक्त से शिकायत की गई थी प्रभारी को निर्देशित किया गया। निर्देश पर तहसीलदार की मौजूदगी में नगर निगम के तोडू दस्त दल ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में बनाए गए अवैध बाउंड्री वालों को तोड़ने पहुंची इस दौरान नगर निगम की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा जहां हंगामे को दर्दनाक कर नगर निगम के टीम ने दो बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया वहीं पुन कब्जा करने पर उन्हें समझाइए दी गई है।

नगर निगम तोडू दस्त प्रभारी योगेश राठौर ने बताया कि शिव नगर रूमगढ़ा में अतिक्रमण कर बनाए गए दो बाउंड्री वॉल को तोड़ने की कार्रवाई की गई है शत्रुघ्न कुर्रे और एक अन्य के खिलाफ कार्यवाही की गई है आगे और भी जगह शिकायत मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

वहीं मकान मालिक की माने तो वह काफी लंबे समय से उसे जगह पर निवासी है और पुराने मकान को तोड़कर वह कुछ हिस्से को नया बना रहा था जहां कार्रवाई की गई इस क्षेत्र में और भी कई जगह अवैध कब्जा है उसे पर कार्रवाई नहीं की गई कहीं ना कहीं भेदभाव किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान कुछ लोग विवाद भी कर रहे थे जिन्हें समझाइए आगे की कार्रवाई की गई।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

रायपुर-बिलासपुर से टिटलागढ़ चलने वाली पैसेंजर रहेगी रद्द

बिलासपुर। रायपुर-बिलासपुर से चलने वाली कुछ ट्रेनों को रेलवे विभाग ने रद्द किया है। संबलपुर के सरला स्टेशन में प्री नॉन इंटर लॉकिंग और नॉन इंटर लॉकिंग का काम किया जायेगा। इसके वजह से इस रूट से चलने वाली पैसेंजर को रद्द किया गया है। दरअसल, ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर मंडल में संबलपुर -झारसुगुड़ा सेक्शन में सरला रेलवे स्टेशन पर प्री नॉन इंटर लॉकिंग और नॉन इंटर लॉकिंग का काम किया जाएगा। यह काम सात से नौ जून तक और नॉन इंटर लॉकिंग का काम 11 से 14 जून तक किया जाएगा। इसके वजह से कुछ ट्रेनों को रद्द किया गया है। गाड़ी संख्या 08264 बिलासपुर टिटलागढ़ पैसेंजर 7 से 14 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08263 टिटलागढ़ -बिलासपुर पैसेंजर 8 से 15 जून तक रहेगी। गाड़ी संख्या 08277 टिटलागढ़ -रायपुर पैसेंजर 7 से 14 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 08278 रायपुर-टिटलागढ़ पैसेंजर 8 से 15 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 20917 इंदौर पुरी एक्सप्रेस 11 जून को इंदौर से एक घंटे रीशेड्यूल की जाएगी। यह गाड़ी तीन बजे के स्थान पर चार बजे रवाना की जायेगी।

फिल्मी स्टाइल में मारपीट करने वाले गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा की कटघोरा पुलिस ने पांच में से उन दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिन्होंने पिछले दिनों पेशी में आए बाइक सवार तीनों युवकों को कार से टक्कर मारकर जमीन पर गिरा दिया फिर आंखों में मिर्च पाउडर डालकर हॉकी,रॉड व मुक्के से उनकी जमकर पिटाई की। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंचे पवन शर्मा नामक व्यक्ति के उपर कार को चढ़ा दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बिलासपुर निवासी रमाकांत वर्मा व रायपुर निवासी गोपाल ओझा को गिरफ्तार कर लिया। मामले मे रायपुर निवासी चंदन जैन,निखिल राव व कोरबा निवासी चीना पांडेय फरार चल रहे हैं,जिनकी पता साजी की जा रही है। बताया जा रहा है कि कोरबा पुरानी बस्ती निवासी मुससु, गौरव ठाकुर और चमन तुली कटघोरा न्यायालय पेशी में आए हुए थे इस दौरान दोपहर के वक्त खाना खाने एक होटल गए हुए थे जहां से वापस लौटते समय एक चार पहिया वाहन में आरोपी आए और पहले उनके ऊपर कार को चढ़ाने की कोशिश की।

कॉलोनी में युवक ने कार से कई गाड़ियों में मारी टक्कर

जगदलपुर। जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के अशोका लाइफ स्टाइल धरमपुरा में बीती रात को कालोनी में रहने वाले युवक ने अपने कार से ही कालोनी में खड़े गाड़ियों को ठोकर मार क्षतिग्रस्त कर दिया, इस घटना के बाद जब कर मालिक ने उसे रोकने की कोशिश की तो उनके ऊपर भी कार चढ़ाने की कोशिश की। घटना के बाद प्रार्थियों ने मामले की शिकायत कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए अशोका लाइफ स्टाइल धरमपुरा में रहने वाले निकेश देवांगन व रजनीश देवांगन ने बताया कि 31 मई व 1 जून की रात करीब 12.30 बजे के लगभग कालोनी में रहने वाले युवक ने अपने कार से कालोनी में खड़े अन्य कारों को क्षतिग्रस्त करना शुरू कर दिया। तेज आवाज सुनकर कालोनी का गार्ड त्रिलोचन नाग के साथ ही अन्य लोग आ पहुंचे, जहां गाड़ियों को ठोकर मार रहे युवक को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह समझने को तैयार ही नही था। कालोनी के लोगों ने युवक को रोकने की कोशिश किया तो उनके ऊपर ही कार चालक ने कार चढ़ाने की कोशिश की।

वाहन चालकों की लू लगने से मौत की आशंका

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्र में तीन वाहन चालकों की मौत हो गई है। लू लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। तीनों चालकों को चक्कर आने से बेहोश होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण पता चल पाएगा। चांपा एसडीओपी यदुमणी सिदार ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर 2 से 3 बजे चांपा थाना क्षेत्र के पीआईएल रोड के किनारे होटल में रुके हुए थे। इस दौरान चालक अमरीका सिंह 63 वर्ष निवासी खुरसीपार जिला दुर्ग की अचानक तबियत बिगड़ी और अस्पताल लेकर पहुंचे हुए थे। वहीं एक ट्रक का हेल्फर युवक शंभू कोरवा 29 वर्ष निवासी धुरकी झारखड़ को उल्टी होने लगी और बेहोश होकर गिर पड़ा। दोनों को अस्पताल में उपचार केलिए लाया गया था। जहां दोनों को जांच उपरांत डॉक्टर ने मृत घोषित किया। आशंका जताई जा रही है कि शुक्रवार को तेज गर्मी के कारण दोनों की तबियत बिगड़ी थी। लू लगने से मौत हुई होगी।

फांसी की कोशिश करने वाले सिपाही का हुआ तबादला

बिलासपुर। थानेदार पर प्रताडना का आरोप लगाते हुए थाना परिसर में ही फांसी लगाने की कोशिश करने वाले सिपाही धर्मेंद्र कश्यप का तबादला कर दिया गया है। सीपत थाना प्रभारी कृष्ण चंद्र सिदार पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए बीते गुरुवार को यहां पदस्थ सिपाही धर्मेंद्र कश्यप ने थाना परिसर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। थाने में मौजूद अन्य जवानों ने उसे फांसी लगाने से पहले बचा लिया। आरक्षक का कहना था कि थाना प्रभारी सिदार गंदी गालियां देते हैं और प्रताड़ित करते हैं। गाडियों की चेकिंग के दौरान भी उससे दुर्व्यहार किया गया था, जिसके चलते वह फांसी लगा रहा था। घटना के बाद जिला पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि आरक्षक कश्यप ने मानसिक रूप से परेशान होने की बात कही है। उसने किसी अन्य ग्रामीण थाने में पदस्थ करने का अनुरोध किया है। फिलहाल उसकी ड्यूटी पुलिस लाइन में ली जा रही है। दूसरी तरफ आरक्षक का कहना है कि उससे थानेदार माफी लिखकर देने के लिए कह रहे थे।

प्रेम सागर मिश्रा परफॉर्मेंस एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

बिलासपुर। इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (ट्रिपल आई ई) द्वारा एसईसीएल व सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा को परफॉर्मेंस एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। 31 मई को मसूरी में आयोजित 24वीं सीईओ कॉन्फ्रेंस के दौरान कोयला उद्योग में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए उनको यह अवार्ड सौंपा गया।

विदित हो कि सीएमडी डॉ प्रेम सागर मिश्रा के नेतृत्व में एसईसीएल ने वित्त वर्ष 23-24 में लगातार दूसरे वर्ष 20 मिलियन टन की वृद्धि के साथ अपने इतिहास का सर्वाधिक 187 मिलियन टन कोयला उत्पादन दर्ज किया है। वित्तीय वर्ष 23-24 में एसईसीएल ने 180.5 मिलियन टन कोयला उपभोक्ताओं को प्रेषित किया जिसमें सर्वाधिक 147.8 मिलियन टन कोयला देश के विद्युत संयंत्रों को भेजा गया, यह किसी एक वर्ष में कम्पनी द्वारा पावर सेक्टर को दिया गया सर्वाधिक डिस्पैच है।

इसके साथ ही भूविस्थापितों के हितों का ध्यान रखते हुए एसईसीएल ने भूमि अधिग्रहण के प्रकरणों में वर्ष 23-24 में एसईसीएल ने कुल 707 भू-विस्थापितों को रोजगार स्वीकृत किए जो कि पिछले एक दशक में सर्वाधिक है। सीएसआर के तहत कंपनी द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण आदि से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के ऊपर 50 करोड़ से अधिक का व्यय किया गया।

एसईसीएल द्वारा सीएसआर अंतर्गत एसईसीएल के सुश्रुत योजना की शुरुआत की गई जिसके तहत छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में स्थित कंपनी के संचालन क्षेत्रों के 30 बच्चों का चयन कर उनको निशुल्क आवासीय नीट-मेडिकल कोचिंग दी जा रही है। वहीं कोयलांचल के हरित विकास को प्रगति देते हुए एसईसीएल द्वारा वर्ष 23-24 में 475 हेक्टेयर के क्षेत्र में रिकॉर्ड 10.77 लाख पौधे लगाए गए जो कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में सर्वाधिक है।

विद्युत सब स्टेशन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

बलौदाबाजार। सूर्य की तेज तपिश से अब विद्युत व्यवस्था भी जवाब देने लगे हैं। जिसका परिणाम देर रात सुहेला विघुत सब स्टेशन में देखने को मिला। जहां 220 केवी लाईन में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गयी और हडकंप मच गया। वहीं कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों ने तत्परता दिखाई और तत्काल कुछ देर के लिए लाइन काटकर आग बुझा लिया और एक बड़ी घटना को टालकर विघुत व्यवस्था बहाल किया। आग लगने कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बताया जा रहा है कि दिन भर सूर्य की तेज तपिश और बढ़ते तापमान की वजह इसका कारण हो सकता है। फिलहाल, एक बड़ी घटना टलने से अधिकारियों कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है। विद्युत विभाग के ईई वी के राठिया ने बताया कि सुहेला विद्युत सब स्टेशन में देर रात 220 केवी लाइन में शार्ट हुआ था। जिसे तत्काल काबू पाकर विघुत व्यवस्था बहाल की गई है, किसी प्रकार की बड़ी घटना नहीं हुई।

पीएचई विभाग के कर्मचारी नियमों का उड़ा रहे मजाक

■ **मूल पोस्टिंग वाली जगह पर नहीं दे रहे सेवा**

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। कोरिया और एमसीबी जिले में पीएचई विभाग के कर्मचारी शासन के नियमों को नहीं मानते। इसलिए अपनी मूल पोस्टिंग वाली जगह को छोड़कर दूसरी जगह पर नौकरी कर रहे हैं।ये सारा मामला अफसरों के संज्ञान में भी है,लेकिन ऐसे किसी भी मामले में कोई एक्शन नहीं लिया गया।कर्मचारी अपना मूल स्थान छोड़कर कई वर्षों से दूसरी जगह पर जमे हुए हैं।

आपको बता दें कि पीएचई विभाग के सहायक ग्रेड दो की मूल पदस्थापना एमसीबी जिले में है।लेकिन कर्मचारी कोरिया जिले के अंदर काम कर रहे हैं। ऐसे ही मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के एसडीओ को कोरिया जिले में और कोरिया जिले के एसडीओ से मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में काम करवाया जा रहा है।इन सारी बातों की जानकारी विभाग के अफसरों को है,उनके पास सिर्फ गोलमोल जवाब के कुछ नहीं।

ईई लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग सीबी सिंह ने कहा जनकपुर एसडीओ का बीच में निलंबन हुआ था। उसके बाद से उनका स्वास्थ्य खराब हुआ।इसलिए वो दूरस्थ क्षेत्र में काम नहीं कर पा रहे थे।उनकी इच्छा के मुताबिक उन्होंने जिला मुख्यालय में पदस्थापना मांगी।उनकी जगह दूसरे को भेजा गया।इसलिए कोरिया जिले का एसडीओ जनकपुर भेजा गया।वहीं एमसीबी के एसडीओ को कोरिया जिले में रखा गया।

वहीं एसएस पैकरा ईई ने बताया कि एमसीबी जिला का सब डिवीजन कर्मचारी कोरिया जिला में काम करता है। वह मनेद्रगढ़ का भी काम करेगा और बैकुंठपुर का भी काम करेगा।ये बात कही गई थी।लेकिन बैकुंठपुर ईई उनसे काम ले रहे हैं। जब इस संबंध में कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह से बात की गई तो उन्होने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही।

चिंतन शिविर पर कांग्रेस की टांग अड़ाने की आदत : राजेश मूणत

रायपुर। नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल का दो दिवसीय चिंतन शिविर प्रारंभ हुआ। इस चिंतन शिविर पर कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए चुनाव आयोग से लिखित में शिकायत की है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा है कि ये खुलेआम आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला है। चुनाव आयोग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस के लगाए जा रहे आरोपों पर पूर्व मंत्री एवं विधायक राजेश मूणत ने पलटवार किया है। इसके साथ ही उन्होंने मतगणना के लिए बीजेपी की तैयारियों को लेकर जानकारी दी।

पूर्व मंत्री एवं विधायक राजेश मूणत ने साय सरकार के चिंतन शिविर पर कांग्रेस की आपत्ति को लेकर कहा कि इसमें किस तरह से आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है ? चिंतन शिविर में किसी तरह का कोई लीगल डिसीजन नहीं लिया जा रहा हैं। समय का सदुपयोग करते हुए छत्तीसगढ़ की आम जनता की समस्याओं का समाधान किस तरह से किया जा सकता है, जनता के साथ सरकार के विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पूर्व मंत्री मूणत ने इस दौरान कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस की टांग अड़ाने की आदत है। कांग्रेस के एग्जिट पोल डिबेट के

बहिष्कार पर पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कांग्रेस ने साधते हुए कहा कि कांग्रेस को भाग लेने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब रिजल्ट क्लियर है तो भाग लेने नहीं लेने से क्या फर्क पड़ने वाला है।

चावल घोटाले की जांच के लिए बनाए बनाई गई जांच समिति पर राजेश मूणत ने कहा कि चावल घोटाला कई दिनों से चर्चा में है। इसकी जांच के लिए विधायकों की विधानसभा स्तरीय समिति बनी है। पुन्नूलाल मोहले की अध्यक्षता में अभी विधायक तथ्यों की जांच कर रहे है। विवेचना पूर्ण होने के बाद जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे उसपर विधानसभा निर्णय लेगी।

मतगणना के लिए बीजेपी की तैयारियों पर पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि चुनाव के समापन के साथ सभी को रिजल्ट का इंतज़ार होता है। छोटी-छोटी चीजों को देखना पड़ता है। ताकि, कोई चूक ना हो जाए जिससे रिजल्ट प्रभावित हो। हम दो चुनाव से बहुत कुछ सीख चुके हैं। हमारा उद्देश्य कार्यकर्ता, पोलिंग एजेंट और मतगणना एजेंट और आर.ओ को जागरूक करना है। पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने बताया कि मतगणना के मद्देनजर बीजेपी ने लोकसभा से लेकर विधानसभा स्तर तक एक टीम बनाई है। मतगणना के दौरान किन-किन बातों पर नजर रखनी चाहिए, किसकी जांच होनी चाहिए जानकारी देंगे, ताकि मतगणना व्यवस्थित तरीके से हो सके। रायपुर से बीजेपी उम्मीदवार और रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल को अग्रिम बधाई के लगे पोस्ट पर राजेश मूणत ने कहा कि यह ओवर कॉन्फिडेंस नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ने चुनाव लड़ा, लेकिन कहीं मैदान पर कही दिखाई दिया क्या ? यह प्रश्न मैंने पहले भी खड़ा किया था की ये कांग्रेस का प्रत्याशी नहीं कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव का चुनाव था। जिस पश्चिम विधानसभा चुनाव में हमने उन्हें पहले हराया है। अब लोकसभा में उससे डबल आंकड़ों से उन्हें हराएंगे।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर के दूसरे दिन आईआईएम परिसर का मंत्रीगणों के साथ किया भ्रमण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन आज अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने योगाभ्यास के बाद मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान परिसर स्थित स्पोर्ट्स कैम्पस (अखाड़ा), हॉस्टल मेस, फाउंडेशन स्टोन (आधारशिला), प्रशासनिक भवन (कर्मशीला), जैव विविधता के लिए निर्मित परिसर और क्वींस पैलेस का भ्रमण किया। उन्होंने क्वींस पैलेस से आईआईएम के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया। इस दौरान आईआईएम के प्रोफेसर श्री सत्यशिबा दास और कॉरपोरेट रिलेशन ऑफिसर श्री गिरिश पहाडिया ने संस्थान के बारे में मुख्यमंत्री श्री साय और मंत्रीगणों को जानकारी दी। संस्थान के अधिकारियों ने प्रशासनिक भवन में रखी हुई संस्थान की रेप्लिका के माध्यम से निर्माणाधीन संरचनाओं और भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

देश के सबसे खनिज समृद्ध राज्यों में से एक है छत्तीसगढ

सुशासन से रूपांतरण विषय पर नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी 20 के शेरपा श्री अमिताभ कांत ने अपना संबोधन आईआईएम रायपुर में चिंतन शिविर के दूसरे दिन के सत्र में दिया।श्री कांत ने कहा कि छत्तीसगढ में विकास की प्रचुर संभावनाएं हैं। यह देश के सबसे खनिज समृद्ध राज्यों में से है। यहां मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को तेजी से बढ़ावा दें तो बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे जरूरी आधारभूत बिंदु हैं इन पर बढ़िया काम कर तेज विकास लक्ष्य भी पाए जा सकते हैं और जनकल्याण की दिशा में बढ़ सकते हैं। पॉलिसी रिफॉर्म पर काम करने से छत्तीसगढ़ में तेजी से आर्थिक प्रगति होगी।

वृद्धा पेंशन योजना के हितग्राहियों का ऑनलाइन एंट्री बंद

महापौर - सभापति ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। विगत कई माह से गरीबों, बुजुर्गों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना स्वीकृत हुए हैं उनको एनएसपी पोर्टल में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण रायपुर शहर के पात्र हितग्राही वृद्ध को पेंशन नहीं मिल पा रहा है। इसके कारण गरीब परिवार के बुजुर्ग इस योजना का लाभ प्राप्त करने से वंचित हो गए हैं। ऐसे पात्र हितग्राहियो की संख्या 263 से ज्यादा है। इस संबंध में 28 नवंबर 2023 तथा 28 दिसंबर 2023 को नगर निगम द्वारा स्मरण पत्र लिखा गया है जिसका आज पर्यंत कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है।

योजना के पात्र हितग्राही बुजुर्ग जो गरीब परिवार के हैं और जिनके पेंशन स्वीकृत हो चुके है उसके बाद भी कई माह से निगम के चक्कर लगा रहे है। जनप्रतिनिधियों के समक्ष पात्र होने के बावजूद अपनी व्यथा बता कर रो पड़ते हैं। जिसे लेकर निगम के जनप्रतिनिधियों ने सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त की। इसके अतिरिक्त सभापति प्रमोद दुबे ने रायपुर शहर में भीषण गर्मी को देखते हुए 12 से 4 बजे तक सिग्नल को बंद रखने की बात रखी जिससे शहर के आम नागरिकों को तेज धूप से राहत मिल सके वहीं रायपुर नगर निगम द्वारा बांटे जाने वालो आबादी पट्टों को आचार संहिता के कारण रोक लगा दिया गया ह जिसे जल्द ही वितरित करने कलेक्टर से आग्रह किया गया।

इस संबंध में नगर निगम महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, जोन अध्यक्ष मनीराम साहू, एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, जितेन्द्र अग्रवाल, देवेंद्र यादव, सुन्दरलाल जोगी पार्षद उत्तम साहू ने कलेक्टर समक्ष समस्याओ को जल्द दूर करने ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने जल्द ही योजना में हुए त्रुटियों को सुधार करने सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित कर लाभार्थी को हो रही परेशानियों को दूर करने का आश्वाशन दिया।

छत्तीसगढ़ मंत्रालय में अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन में पदस्थ अधिकारियों (मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विशेष सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव) की निजी स्थापना में पदस्थ स्टेनो संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एनआईसी ई-मेल का उपयोग करने तथा विभागीय कार्य ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न किये जाने तथा सचिवालयीन कार्यप्रणाली एवं नियमावली के संबंध में दो दिवसीय प्रशिक्षण 30 एवं 31 मई को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के शुभारम्भ अवसर पर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग अन्बलगन पी. ने प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं उद्देश्यों को विस्तार से रेखांकित किया। अपर मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग ऋचा शर्मा आने वाले समय में छत्तीसगढ़ शासन के कार्यों में किस प्रकार तेजी लाई जा सकती है। इसके लिए ई-ऑफिस एवं डिजिटल सेक्रेटरी, ईमेल, डिजिटल कैलेन्डर के माध्यम से मीटिंग की जानकारी दी। दिन-प्रतिदिन नई तकनीक की आवश्यकता पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से अधिकारियों का कार्य आसान हुआ है और उसका प्रयोग आज सभी को आना चाहिए इस पर मार्गदर्शन दिए। एनआईसी के प्रशिक्षको के द्वारा पोर्टल से संबंधित विषय पर प्रशिक्षण दिया गया कि एनआईसी ईमेल के सभी तथ्य का उपयोग जैसे संबंधित विभाग के एडेस बुक अद्यतन रखना आईएस के अंतर्गत अधिकारी का वर्तमान पता, विभाग फोल्डर बना, जिससे सभी प्रासंगिक ईमेलस को लिंक किया जा सके जैसे सभी मीटिंग्स, एपीएआर, आईपीआर आदि की जानकारी दी गई।

चिप्स के द्वारा तकनीकी ट्रेनिंग में डिजिटल सेक्रेटरियेट अवकाश के संबंध में एवं ए.सी.आर. लिखने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। डिजिटल कैलेण्डर के माध्यम से किस प्रकार मीटिंग की जानकारी रखी जा सकती है।

कोटा में 6 जून को धूमधाम से मनाया जाएगा शनिदेव जन्मोत्सव

रायपुर। मारुति लाइफ स्टाइल के सामने मेन रोड कोटा में नवनिर्माण श्री शनिदेव के मंदिर में प्रथम वर्ष जन्मोत्सव अत्यंत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। शनि देव मंदिर के पुजारी रोहित शर्मा ने जानकारी दी कि मंदिर निर्माण हुए अभी कुछ माह ही हुए हैं। श्री शनिदेव का दर्शन करने, शिला में तेल अभिषेक कराने और मंदिर की साज सज्जा देखने काफी तादाद में भक्तजन दूर-दूर से यहां आते हैं। यह वर्ष मंदिर में प्रथम वर्ष श्री शनिदेव जन्मोत्सव ज्येष्ठ अमावस्या कृष्ण पक्ष 06 जून दिन गुरुवार को मनाया जा रहा है।

पुजारी ने जानकारी दी की सुबह से ही आयोजन शुरू हो जाएगा। सर्वप्रथम सुबह 7:30 आरती फिर 11:00 बजे हवन 11:30 बजे भंडारा ऐव शाम 4 बजे से सुंदर कांड का पाठ, रात्रि 7:30 बजे महाआरती ढोल बाजे और आतिशबाज़ी के साथ की जाएगी। साथ ही रात्रि 8 बजे भोग प्रसाद का वितरण होगा और भजन संध्या 7 बजे से जय किसन एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

मंदिर के पुजारी ने बताया कि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में असली फूलों से पूरा मंदिर का श्रृंगार होगा। इस दिन श्री शनिदेव को मंदिर जाकर तेल का स्नान कराना लाभकारी रहता है जो भी भक्तगण श्री शनिदेव को तेल स्नान कराते हैं और काला वस्त्र लोहा तिल उड़द दान करते हैं। उनपर शनिदेव अपनी कृपादृष्टि रखते हैं। इस विशेष दिन भक्तजन को शनिदेव का दर्शन अवश्य करना चाहिए।

गर्मी से राहत दिलाने ट्रैफिक जवानों को मठा और इलेक्ट्राल पाउडर वितरित

रायपुर। शहर में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी, लू से हर कोई हलाकान है।चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे यातायात के जवानों को गर्मी से राहत देने गुरूवार से समाज सेवी संस्था वी फोर नेशन ने सेवा अभियान चलाया।संस्था के सदस्यों ने वीआइपी चौक श्रीराम मंदिर से इस अभियान का शुभारंभ कर शहर के प्रमुख चौक-चौराहे पर जाकर ड्यूटी कर रहे यातायात जवानो को शीतल पेय,मठा, इलेक्ट्राल पाउडर आदि का वितरण किया।

भनपुरी यातायात थाने में पदस्थ आरक्षक भागीरथी कंवर की धनेली में गर्मी की वजह से आकस्मिक मौत होने से दुखी संस्था के पदाधिकारियों ने एक आपातकालीन बैठक कर यह फैसला लिया कि आगामी जितने दिन भी इस तरह से प्रचंड गर्मी और लू पड़ेगी संस्था के सभी सदस्य चौक-चौराहों पर ड्यूटी कर रहे

ट्रैफिक जवानो को शीतल पेय, मठा, इलेक्ट्राल पाउडर आदि देकर तरोताजा करने का काम करेंगे ताकि ऐसी दुखद घटना की पुनरावृत्ति न हो।इस सेवा अभियान में संस्था के अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव,जेएस ठाकुर, रोहित, चंदू,कृष्णा दास,मिशिका तिवारी, दिव्यांशी शर्मा, अजीत,लवली कौर,किरण अग्रवाल,अखिल खरे,शुभम सिंह,निशा सिंह,निलोफर अली, अभिषेक, सोमराज, सतीश कुमार,अचला बक्शी आदि शामिल थे। प्रदेश में गर्मी की भीषण लहर है।आम इंसान से लेकर पशु-पक्षी सभी गर्मी की मार से बेहाल है।वी फोर नेशन संस्था का यह सेवा अभियान नौतपा असर जब तक कम न हो जाए,तब तक रोजाना 12 से पांच बजे तक जारी रहेगा।इस अभियान में मूक जानवरों के पीने के लिए पानी,भोजन आदि रखने संस्था की ओर से निश्शुल्क कोटना,सकोरों का वितरण भी किया जा रहा है।जिस व्यक्ति को इसकी जरूरत है वे फोन नंबर 9302088111 पर काल करके कोटना,सकोरे प्राप्त कर सकते।संस्था की ओर से यह आपके घरों तक पहुंचा कर दिया जायेगा। भविष्य में भी टूट-फुट होने पर संस्था से दोबारा प्राप्त कर सकते है। केवल आपको रोज उसमे पानी व भोजन की व्यवस्था पवित्र मन से करनी होगी।

हमने बिजली बिल हाफ किया और भाजपा ने बिजली ही हाफ कर दी: भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिजली कटौती को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस बिजली की समस्याओं को लेकर लगातार भाजपा को घेरने का प्रयास कर रही है। इस मामले को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया एक्स पर बीजेपी पर जमकर बरसे हैं। साथ ही लोगों को भीषण गर्मी से बचने की सलाह दी है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि हमने बिजली बिल हाफ किया और इन्होंने बिजली हाफ कर दी। एक तरफ सांय-सांय बिजली का बिल बढ़ाने की तैयारी चल रही है, तो दूसरी तरफ इस भयानक गर्मी में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में जमकर बिजली की कटौती की जा रही है। प्रदेश की जनता बेहद परेशान है, लेकिन गारंटी लेने वाले अभी सत्ता की मदहोशी में सो रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि आप सबसे कहना है कि तापमान बहुत अधिक है। गर्मी और लू से हम सबको अपना, अपने बच्चों का और घर के बुजुर्गों का ख़्याल रखना है। दिन में बच्चों को धूप में न खेलने दें। बुजुर्गों को बाहर जाने से रोकें। बहुत आवश्यक कार्य न हो तो आप भी घर से न निकलें। ओआरएस, नींबू शिकंजी, ग्लूकोज और आम पना इत्यादि ठंडी चीजें पीते रहें।

घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली की दरों में हुई बीस पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं उपभोक्ताओं के लिए विद्युत दरों का निर्धारण किया है। राज्य शासन द्वारा की गई राजस्व घाटे की आंशिक प्रतिपूर्ति को समायोजित करते हुए आयोग ने सभी उपभोक्ता श्रेणियों में औसत 8.35 प्रतिशत वृद्धि अनुमोदित की गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष हेमंत वर्मा और सदस्य प्रमोद कुमार गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस में विद्युत दरों में हुई बढ़ोतरी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य की विद्युत कंपनियों के विगत वर्षों के राजस्व घाटा तथा राजस्व आधिक्य पर विचारोपरान्त वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मांग की गई वार्षिक राजस्व आवश्यकता 26037 करोड़ रुपए के स्थान पर 24594 करोड़ रुपए मान्य किया गया है।

इसी तरह से वितरण कंपनी द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष हेतु अनुमानित 33875 मिलियन यूनिट के स्थान पर 34091 मिलियन यूनिट मान्य किया गया है। इसी तरह वितरण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्युत की अनुमानित बिक्री पर प्रचलित टैरिफ से अनुमानित 4420 करोड़ रुपए राजस्व घाटे के स्थान पर 2819 करोड़ रुपए को मान्य किया गया है।

राज्य शासन ने वितरण कंपनी के सकल राजस्व घाटा को कम करने हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1000 करोड रुपए की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा करने का निर्णय लिया गया है। फलस्वरूप वितरण कंपनी को वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रचलित दरों से 1819 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुमानित है। राज्य वितरण कंपनी द्वारा दायर याचिका के विश्लेषण से राजस्व घाटे की प्रतिपूर्ति हेतु औसत 20.45 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित थी, परंतु राज्य शासन द्वारा की गई राजस्व घाटे की आंशिक प्रतिपूर्ति तथा आयोग द्वारा विचारोपरान्त सभी उपभोक्ता श्रेणियों में औसत 8.35 प्रतिशत वृद्धि अनुमोदित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए औसत विद्युत प्रदाय दर 6.92 प्रति यूनिट रुपए अनुमानित की गई है। आयोग द्वारा वर्तमान टैरिफ आदेश में लिए गए निर्णयों एवं राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनी के घाटे की प्रतिपूर्ति के फलस्वरूप औसत विद्युत बिलिंग दर 6.92 पैसे रुपए अनुमानित है, जो कि वर्तमान प्रचलित दर से औसत 53 पैसे अधिक है। तदनुसार वर्तमान प्रचलित दर से विद्युत दरों में औसत 8.35 प्रतिशत की वृद्धि अनुमोदित की गई है।

वर्तमान आदेश के मुख्य बिन्दु

घरेलू एवं गैर घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। मांग एवं उपलब्ध विद्युत उत्पादन के विश्लेषण उपरान्त TOD की संरचना में परिवर्तन किया गया है। पर्यावरण संरक्षण एवं कार्बन फुटप्रिन्ट घटाने हेतु अक्षय ऊर्जा क्रय करने हेतु इच्छुक उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु ग्रीन एनर्जी चार्ज का निर्धारण किया गया है। रेलवे के टैक्शन लोड हेतु लागू 20 प्रतिशत की लोड फैक्टर रिबेट को समाप्त कर दिया गया है। HV-5 एवं LV-5 श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले पोहा एवं मुरमुरा मिल को ऊर्जा प्रभार में 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है। जारी की जा रही नई विद्युत दरें जो कि संलग्नक-1 और संलग्नक-2 में उपलब्ध हैं। 1 जून, 2024 से प्रभावशील होंगी।

कृषि एवं कृषि संबंधी उपभोक्ता

गैर सबसिडी वाले कृषि विद्युत पंप वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत छूट जारी रहेगी। किसानों को खेतों में लगे विद्युत पम्पों और खेतों की रखवाली के प्रयोजनार्थ पम्प कनेक्शन के अंतर्गत वर्तमान में पम्प के समीप 100 वॉट के भार उपयोग की सुविधा प्रभावशील है। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा 100 वॉट तक लाईट एवं पंखे की स्वीकृति जारी रखी गई है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए प्रचलित विद्युत दरों के ऊर्जा प्रभार में दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है। पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रीकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू. 6.92/- प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु पंजीकृत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित उद्योग गतिविधियों और व्यवसायिक गतिविधियों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है।

संक्षिप्त समाचार

जिला अस्पताल में हियरिंग क्षमता की जांच और ऑपरेशन टेबल की नई सुविधा

रायपुर। रायपुर में मरीजों की सुविधा को

देखते हुए जिला अस्पताल में हियरिंग क्षमता की जांच और ऑपरेशन टेबल की नई सुविधा मिलेगी। साथ ही मेकाहारा में नए एक्स-रे मशीन लगाया गया है। जिला अस्पताल में दो नई मशीन और ऑपरेशन टेबल की सुविधा प्रारंभ होने जा रही है। इसका उद्घाटन कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की उपस्थिति में प्रसूता महिला लिकेश्वरी विश्वकर्मा के हाथों कराया गया। जहां ऑटो रिफ्लेक्टर, एनएसथिसिया वर्क स्टेशन और ऑपरेशन टेबल का उद्घाटन किया गया। जिला अस्पताल में कैनफिन होम्स लिमिटेड के सीएसआर फंड से नई मशीनों की सुविधा उपलब्ध हुई है। इन मशीनों से हियरिंग क्षमता की जांच, ऑपरेशन किए जा सकेंगे। साथ ही मेकाहारा में भी दो नई एक्स-रे मशीन स्टॉल किए गए है। 300 एमए और 500 एमए के दो मशीनें स्टॉल किए गए है। इसकी सुविधा भी प्रारंभ की जा रही है।

कलेक्ट्रेक्ट के चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी हुई सेवानिवृत्त, दी गई उपादान की राशि

रायपुर। रायपुर कलेक्ट्रेक्ट की चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी के नसरम्मा सेवानिवृत्त हो गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उन्हें शॉल व श्रीफल भेंटकर शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्हें उपादान की राशि वितरित की गई और पेंशन के लिए पीपीओ नंबर भी उपलब्ध कराए गए। कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि के. नसरम्मा अपने कार्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रही है। हमेशा बेहतर कार्य की। कलेक्टर ने कहा कि सेवानिवृत्ति होने के बाद प्राप्त राशि का सही उपयोग करें। हमेशा स्वास्थ्य का ख्याल रखें। नसरम्मा ने 30 वर्ष से अधिक अद्धवार्षिक आयु के बाद सेवानिवृत्त हुई है। उन्हें सेवाकाल के दौरान की उपादान की राशि का वितरण किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर आशुतोष देवांगन, अन्य कर्मचारी और के नसरम्मा के परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

जनसंपर्क विभाग के उप संचालक ललित चतुर्वेदी हुए सेवानिवृत्त

रायपुर। रायपुर के जनसंपर्क संचालनालय में पदस्थ रहे उप संचालक ललित चतुर्वेदी को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों विदाई दी। इस दौरान अपर संचालक उमेश मिश्रा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने चतुर्वेदी को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उनके सुदीर्घ जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 39 सालों से अधिक समय तक जनसंपर्क विभाग को अपनी सेवाएं देने के बाद चतुर्वेदी सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने अपनी सेवाओं के 15 साल सात महीने मध्यप्रदेश में और 23 साल सात महीने छत्तीसगढ़ में बिताये। चतुर्वेदी ने कहा कि जनसंपर्क विभाग में बिताये गये 39 वर्षों में बहुत यादगार अनुभव रहे हैं। जनसंपर्क विभाग में अधिकारियों से सदैव मार्गदर्शन एवं स्नेह मिला है। अपर संचालक उमेश मिश्रा ने चतुर्वेदी की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की और कहा कि वो सदैव अपने दायित्वों का निर्वहन अच्छी तरह से किया है। कार्य के प्रति उनका समर्पण विभाग के नये अधिकारियों के लिए अनुकरणीय है।

एआई तकनीक और रोप जंप के माध्यम से बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन की ओर से जेआर दानी स्कूल में आयोजित समर कैंप का समापन हो चुका है। इस दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रशिक्षिकों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कलेक्टर ने कहा कि 15 दिवसीय आयोजित समर कैंप में तरह-तरह की विधाओं का बच्चों को प्रशिक्षण मिला। समर कैंप में बच्चे पेंटिंग, बासुरीवादन, एआई, नृत्य जैसे तमाम विधाओं को सीखते है। कलेक्टर ने पालकों से अपील की थी कि इस समय भीषण गर्मी है, बच्चों को भीतर रखें और गर्मी कम होने पर शाम को घर से बाहर निकलने दें। जब बाहर निकलें तो कुछ खिलाकर और पानी का इंतजाम कर जाने दें। साथ ही लू से बचाव के सारे उपायों को अपनाते रहे। कलेक्टर ने कहा कि दो आयु वर्ग के बच्चों 4 से 10 वर्ष व 10 से 16 वर्ष के बच्चों के उत्पादों का स्टॉल लगाकर विक्रय किया जाएगा। आधुनिक विकास में एआई तकनीक का इस्तेमाल काफी किया जा रहा है। समर कैंप में बच्चों को एआई तकनीक का इस्तेमाल करना सीखाया गया। बच्चों ने न्यूट्रान में एलियन के बारे में एआई तकनीक से बनाकर दिखाया।

यात्रियों से भरी बस में लगी भीषण आग, जलकर खाक

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक एसी बस में भीषण आग लगने की खबर सामने आई है। आग लगने से बस में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। जैसे-तैसे कर बस ड्राइवर, कंडेक्टर और यात्रियों ने अपनी जान बचाई है। आग अचानक लगी और देखते ही देखते विकराल पर ले ली। इससे बस जलकर खाक हो गई है। पूरा मामला रायपुर के समीप अभनपुर का है। जहां यात्रियों से भरी बस में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि बस लगभग 40 यात्री थे। आग लगने से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। जैसे तैसे सभी यात्री बस से बाहर निकले। बस में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 02 जून 2024

ध्यान करते हुए भी ध्यान खींच रहे हैं मोदी

बिक्रम उपाध्याय

चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका है। नेताओं की यात्राएं भी ठहर गयी हैं, परंतु पीएम मोदी की कन्याकुमारी की यात्रा और विपक्ष का उस यात्रा के खिलाफ शोर, चुनाव की गहमागहमी को कम नहीं होने दे रहा। बीजेपी के खिलाफ लड़ रही सभी पार्टियों का एक सुर में कहना है कि एक जून को चुनाव वाले दिन भी मोदी अपने अलग अंदाज में चुनाव प्रचार करते हुए ही नजर आएंगे। क्योंकि अपनी साधना के दौरान भी पूरे दिन वह टीवी स्क्रीन पर ही रहेंगे। भारत और दुनिया भर के तमाम मीडिया चैनल रामेश्वरम पहुँच चुके हैं, और वे सभी पीएम मोदी के हर पल की रिपोर्टिंग 1 जून की शाम तक करने वाले हैं। नरेंद्र मोदी के बारे में अब एक आम धारणा बन भी गई है कि वह एक चुनाव मशीन की तरह काम करते हैं। 2002 से लेकर आज तक अपना कोई चुनाव नहीं हारने वाले मोदी बीजेपी के लिए एकदम अपरिहार्य बन गए हैं। वह हैं तो एक व्यक्ति, लेकिन कई भूमिकाएँ निभाते हैं। पिछले 10 सालों से वह हर चुनाव में बीजेपी के लिए सलामी बल्लेबाज बन कर सबसे आगे उतरते हैं। मोदी सुनिश्चित करते हैं कि पार्टी हर हाल में जीते। बीजेपी के चुनाव में जीतने के आधार पर वह अपनी योजनाएँ बनाते हैं। यह देखा गया है कि जब कभी किसी राज्य में बीजेपी चुनाव हार भी जाती है, तो भी मोदी रक्षात्मक नहीं होते। वह अगली पहल के लिए खुद को तैयार कर लेते हैं। वह सत्ता प्राप्त कर के भी कभी आराम नहीं करते। शायद वह अपने विरोधियों को उम्मीद की कोई किरण नहीं देना चाहते। मोदी अपने ही जाल में विपक्ष को फंसाना जानते हैं। वे यह भी जानते हैं कि विरोधियों द्वारा उनकी साधना पर बात करना या कटाक्ष करना भी उनके प्रति मीडिया का ध्यान आकर्षित करने में सहायता प्राप्त करेगा। जो अंतत: उनके चुनावी अभियान के लिए बहुत बढ़िया सिद्ध होने वाला है। लगभग ढाई महीने के सघन चुनावी अभियान में विभिन्न पार्टियों ने अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, कुछ वर्ग की भावनाओं को चोट पहुंचाने की कोशिश की, कुछ राजनीतिज्ञों ने लोगों को धमकाया भी। उसके बाद भी मतदाताओं ने शांति पूर्वक वोट दिया और अपनी पसंद के उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया पूरी की। प्राय: चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद राजनीतिक लोग अपने पुराने दिनों की ओर लौट जाते हैं। लेकिन कुछ नेता उसके बाद भी संकेतों और भावों से लोकतंत्र निर्णयकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। विपक्ष मोदी पर इसी तरह की कोशिश करने का आरोप लगा रहा है और मोदी के हर अभियान को ट्रैक करता है और यही मीडिया के आकर्षण का कारण भी है। कुछ लोग इसे चुनावी कानून का उल्लंघन भी बता रहे हैं। वे मोदी की साधना को इवेंट बता रहे हैं। इसकी तुलना टीवी विज्ञापन से कर रहे हैं। चुनावी अभियान पर हर पार्टी अपनी रणनीति बनाती है। अब पार्टियों की अपनी चतुराई और योजनाओं पर निर्भर करता है कि वह किस तरह की रणनीति बना रहे हैं। चुनावी सर्वेक्षणों से पता चलता है कि परस्पर विरोधी दलों के बीच कीचड़ उछालने, विरोधियों के बारे में झूठी खबरें या भय फैलाने वाले वाले अभियानों को लोग ज्यादा पसंद नहीं करते। लेकिन यह भी सत्य है कि भारतीय चुनावों में गंदे खेल की भी खुली छूट मिलती रहती है। प्राय: हम सभ्य तरीकों का उपयोग नहीं करते। राजनीतिक संबद्धता ज्यादा मायने रखती है। नकारात्मकता या लोगों का अपमान करना चुनाव प्रचार का हिस्सा माना जाता है। पीएम जैसे पद के लिए अपमान जनक शब्दों का प्रयोग इस चुनाव में भी खूब हुआ है। वहीं प्रधानमंत्री के भी कुछ शब्दों पर भी मर्यादा की कसौटी कसी गई। चुनाव में जीत ही अंतिम लक्ष्य है। विपक्ष ने भी चुनाव के अंतिम घंटे तक खुद को खबरों में बनाए रखने की जुगत लगाई है। इंडिया गठबंधन ने चुनाव वाले दिन ही अपनी बैठक बुलाई है। अभी से ही यह दावा भी कर रहे हैं कि उनको 300 से अधिक सीटें आ रही हैं।

एग्जिट पोल पर छिड़ा सियासी घमासान

अंकित सिंह

भारत की छह सप्ताह की चुनावी मैराथन 1 जून को हुई वोटिंग के साथ ही एग्जिट पोल के लिए मंच पूरी तरह तैयार है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल की तलाश में हैं, जिनका लक्ष्य अभूतपूर्व 400+ सीटें हैं। इस परिमाण की जीत भारत के पहले प्रधान मंत्री, जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करेगी, और स्वतंत्रता के 100वें वर्ष, 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र में बदलने में मोदी की विरासत के लिए मंच तैयार करेगी। विपक्ष ने भी ये चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ा है। विपक्ष दावा कर रहा है कि हमारी सरकार बनने जा रही है। हालांकि, एग्जिट पोल को लेकर भी राजनीति तेज हो गई है। हालांकि, हम इस लोकसभा चुनाव प्रचार के कुछ ऐसे तीखे बयानों की भी बात करेंगे जिसकी चर्चा खूब हुई।

कांग्रेस ने कहा कि वह एक जून को एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) से संबंधित टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग नहीं लेगी, क्योंकि पार्टी टीआरपी के खेल का हिस्सा नहीं बनना चाहती। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने अपना मत दे दिया है एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। चार जून को परिणाम सबके सामने होंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नज़रों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगा कर घमासान में भाग ले कर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है।'' खेड़ा ने कहा, ''किसी भी बहस का मक़सद दर्शकों का ज्ञानवर्धन करना होता है। कांग्रेस पार्टी 4 जून से चर्चा में फिर से सहर्ष भाग लेगी।'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को दावा किया कि टेलीविजन चैनलों पर एक्जिट पोल की बहसों में भाग नहीं लेने का कांग्रेस का फैसला स्पष्ट पुष्टि है कि विपक्षी दल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में हार मान ली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने एक बयान में कहा कि जब से उन्होंने कांग्रेस के मामलों में अहम भूमिका निभानी शुरू की है, तब से कांग्रेस 'नकारने के मोड' में है।

चुनावी भाषणों की चर्चा : 76 दिनों के दौरान नेताओं ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमला व कटाक्ष करने के लिए जिस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया उसके लिए इस आम चुनाव को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इस चुनाव में 'विष गुरु', 'अनुभवी चोर', 'दो शहजादे' के अलावा 'मंगलसूत्र, मुजरा, मटन, मछली' सहित कई ऐसे शब्दों के जरिए आरोपों और प्रत्यारोंपों का दौर चला, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी। साथ ही इन पर मीडिया के विभिन्न मंचों पर चर्चाहुई तथा इनके पक्ष व विपक्ष में तर्क भी गढ़े गए। इन वजहों से लोकसभा चुनाव की सरगर्मी पहले चरण से लेकर आखिरी चरण तक बनी रही।

'टेम्पो वाले अरबपतियों' का 'कठपुतली राजा' : राहुल गांधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'अडाणी और अंबानी से टेम्पो में नकदी' मिलने पर उनकी टिप्पणी के मद्देनजर कटाक्ष करते हुए उन्हें टेम्पो वाले अरबपतियों का एक कठपुतली राजा बताया था।

'दो शहजादे' : राहुल, अखिलेश पर मोदी का कटाक्ष मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली में कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के लिए 'दो शहजादे' एक साथ आए हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक स्पष्ट हमला था।

'मंडी में भाव' : सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत पर साधा निशाना। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा की उम्मीदवार व अभिनेत्री कंगना रनौत की एक तस्वीर पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया, 'मंडी में भाव क्या चल रहा है?। पोस्ट को अपमानजनक बताते हुए बड़े पैमाने पर उन्हे विरोध का सामना करना पड़ा। बाद में श्रीनेत को इसे अपने सभी सोशल मीडिया खातों से हटाने को मजबूर होना पड़ा।

मोदी 'स्व-घोषित भगवान' : राहुल गांधी ने मोदी की 'जैविक रूप से जन्म' वाले बयान को लेकर उनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि अगर एक साधारण व्यक्ति ने यह बयान दिया होता तो उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाया जाता। उनके सहयोगी जयराम रमेश ने अग्निपथ योजना को लेकर भाजपा पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री को 'स्व-घोषित भगवान' करार दिया।

'इंडिया' गठबंधन अपने वोट बैंक के लिए 'मुजरा' कर रहा है। मोदी ने 'इंडिया' गठबंधन पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए 'मुजरा' करने का आरोप लगाया और विपक्षी समूह द्वारा दलितों और पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटने के कथित प्रयासों को विफल करने का संकल्प लिया। *

'मछली, मटन'- राजद नेता तेजस्वी यादव के सावन के महीने में मछली खाने और राहुल गांधी और लालू प्रसाद के कथित तौर पर मटन खाने का एक वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने इसे व्यापक मुद्दे के रूप में तब्दील करने का प्रयास किया। मोदी ने कहा कि विपक्षी दल अपनी मुगलिया मानसिकता का प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए वीडियो साझा करके बहुसंख्यक समुदाय को चिढ़ा रहे हैं।

राजस्थान में एक रैली में, प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में हिंदू महिलाओं के 'मंगलसूत्र को छीनने और इसे 'घुसपैठियों' और 'अधिक बच्चे पैदा करने वालों' में वितरित करने का वादा किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजद नेता तेजस्वी यादव सहित विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे को लपकते हुए मोदी की टिप्पणी की आलोचना की।

कांग्रेस के खिलाफ मोदी का 'भैंस' छीन लेने वाला तंज मोदी ने गुजरात में एक चुनावी रैली में विरासत कर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि अगर किसी के पास दो भैंस हैं तो विपक्षी पार्टी लोकसभा चुनाव जीतने पर एक भैंस छीन लेगी। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए राजद के लालू प्रसाद ने कहा कि मोदी को ऊंट दिया जाएगा।

'झूठों के सरदार' मोदी कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने हरियाणा में सभा को संबोधित करते हुए भाजपा से हर साल दो करोड़ नौकरियां, हर किसी के बैंक खाते में 15 लाख रुपये और किसानों की आय दोगुनी करने के अपने वादे पर जवाब देने को कहा और इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को 'झूठों का सरदार' कहा।

'अमूल बेबी' राहुल और प्रियंका असम के मुख्यमंत्री हिमंतविश्व शर्मा ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को 'अमूल बेबी' करार देते हुए कहा कि राज्य के लोग अपने चुनाव अभियान कार्यक्रमों में भाई-बहन को देखने की बजाय 'काजीरंगा में बाघ और गैंडे' देखना पसंद करेंगे।

पंजाब में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने आप नेता और मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'कागजी मुख्यमंत्री' कहा। कंगना रनौत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मंडी में अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 'बड़ा पप्पू' और 'छोटा पप्पू' कहकर संबोधित किया। मोदी ने बिहार की एक रैली में कहा कि 'इंडिया' गठबंधन 'घोटालेबाजों का जमावड़ा' है। मोदी ने कांग्रेस को पाकिस्तान का 'मुरीद' बताते हुए कहा कि इस्लामाबाद भारत के अगले प्रधानमंत्री के रूप में राहुल गांधी का समर्थन कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सपा और कांग्रेस को 'समाप्त पार्टी' और 'कौन कांग्रेस' के नाम से जाना जाएगा। इस चुनाव में खटाखट और फटाफट की भी खुब चर्चा हुई।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगराजोपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

उस षोडशदलचक्र के मध्य में जो पराशक्ति अवरुद्ध (स्थित) है, उसे संविद् कहना चाहिए। वहाँ (उस चक्र के मध्य में) पूर्णागिरिपीठ में पूर्णशक्ति का ध्यान करके साधक मुक्ति प्राप्त कर लेता है। जो साधक ऊपर वर्णित इन नौ चक्रों में से क्रमश: एक-एक का ध्यान करता है, उसे मुक्ति के सहित समस्त सिद्धियाँ प्रतिदिन प्राप्त होती जाती हैं।

अपने ज्ञाननेत्र से जो साधक कदम्ब के गुच्छक के समान गोलाकार चक्र के मध्य में दो दण्डों का दर्शन करते हैं, वे ब्रह्मलोक प्राप्त कर लेते हैं।

ऊर्ध्वशक्ति के निपात से एवं अध: शक्ति को संकुचित करने से तथा मध्य की शक्ति को जाग्रत् कर देने से परमसुख प्राप्त हो जाता है। यह निश्चित है।

सभी पापों से मुक्ति दिलाता है अपरा एकादशी व्रत

डॉ. अनीष व्यास

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। इस साल अपरा एकादशी 02 जून को है। इसे अचला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। अपरा एकादशी व्रत धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण व्रत है। ये व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दिन व्रत रखा जाता है और विधि-विधान से श्री हरि विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अपरा एकादशी तिथि का आरंभ 02 जून को सुबह 5:05 बजे होगा और इस तिथि का समापन 03 जून को सुबह 2:41 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 2 जून को ही अपरा एकादशी व्रत रखना उचित होगा। मान्यता है कि अपरा एकादशी व्रत से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है और स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं जल्द पूर्ण होती हैं। साथ ही सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैसे तो प्रत्येक एकादशी का अपना महत्व होता है लेकिन अपरा एकादशी विशेष रूप से शुभ और लाभकारी मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की कृष्ण पक्ष पर पड़ने वाली एकादशी तिथि को अपरा एकादशी कहा जाता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि भगवान विष्णु की विशेष आराधना के लिए समर्पित अपरा एकादशी का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना करने से वे जल्दी प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि जो भी यह व्रत रखता है उसको जीवन में

अपार तरक्की मिलती है साथ ही मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। हिंदी में अपार शब्द का अर्थ असीमित है, क्योंकि इस व्रत को करने से व्यक्ति को असीमित धन की भी प्राप्ति होती है, इस कारण से ही इस एकादशी को अपरा एकादशी कहा जाता है। इस एकादशी का एक और अर्थ यह है कि यह अपने उपासक को असीमित लाभ देती है। अपरा एकादशी का महत्व ब्रह्म पुराण में बताया गया है। अपरा एकादशी पूरे देश में पूरी प्रतिबद्धता के साथ मनाई जाती है। इसे भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर और हरियाणा राज्य में, अपरा एकादशी को भद्रकाली एकादशी% के रूप में मनाया जाता है और इस दिन देवी भद्रा काली की पूजा करना शुभ माना जाता है। उड़ीसा में इसे जलक्रीड़ा एकादशी के रूप में जाना जाता है और भगवान जगन्नाथ के सम्मान में मनाया जाता है।

शुभ मुहूर्त- ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के मुताबिक, अपरा एकादशी तिथि का आरंभ 02 जून को सुबह 5:05 बजे होगा और इस तिथि का समापन 03 जून को सुबह 2:41 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 2 जून को ही अपरा एकादशी व्रत रखना उचित होगा। अपरा एकादशी व्रत के पारण का समय 03 जून को सुबह 8:06 बजे से सुबह 8:24 बजे तक किया जा सकता है।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि तामसिक आहार और बुरे विचार से दूर रहें। बिना भगवान कृष्ण की उपासना के दिन की शुरुआत न करें। मन को ज्यादा से ज्यादा ईश्वर भक्ति में लगाए रखें। एकादशी के दिन चावल और जड़ों में उगने वाली सब्जियों का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन बाल और नाखून काटने से बचना चाहिए. इस दिन सुबह देर तक नहीं सोना चाहिए।

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार अपरा एकादशी का व्रत रखने से सभी पाप धुल जाते हैं, साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। भगवान विष्णु की आराधने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

रईसी की मृत्यु के बाद पश्चिम एशिया की स्थिति

वप्पला बालाचंद्रन

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु ऐसे समय में हुई है, जब इस्राइल के विरुद्ध फिलिस्तीनी संघर्ष का वास्तविक नेतृत्व ईरान के हाथ में आ गया है। हालांकि स्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि उनकी अनुपस्थिति का कोई प्रभाव ईरान की रक्षा और विदेश नीति की दिशा पर नहीं पड़ेगा क्योंकि वहां सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रूप में संस्थागत व्यवस्था है, जो सर्वोच्च नेता अली खामनाई के अधीन है।

परिषद राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से संबंधित निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 28 जून की तारीख तय की गयी है, तब तक मोहम्मद मोखबर कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेंगे, जो 2021 से देश के प्रथम उपराष्ट्रपति हैं। यदि रईसी का निधन नहीं हुआ होता, तो राष्ट्रपति चुनाव अगले साल होता। माना जाता है कि कुजेस्तान प्रांत के गवर्नर रह चुके मोखबर सर्वोच्च नेता खामनई के विश्वासपात्र हैं। वे खामनई के अधीन काम करने वाली एक ताकतवर आर्थिक संस्था के प्रभारी रह चुके हैं।

ईरान की रक्षा एवं विदेश नीतियों में इब्राहिम रईसी के व्यक्तिगत योगदान पर नजर डालते हैं। जब 2021 में वे राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे, तब उनके पास विदेश नीति का कोई अनुभव नहीं था क्योंकि उनका पूरा आधिकारिक करियर न्यायिक सेवा में रहा था और वे ईरान के मुख्य न्यायाधीश भी रहे थे। रूढ़िवादी खेमे की ओर से उन्होंने 2017 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था, पर 'उदारवादी' हसन रूहानी से हार गये थे। साल 2021 में वे 63 प्रतिशत मतों के साथ जीते। उदारवादियों ने तब चुनाव में धांधली के आरोप भी लगाये थे।

साल 1988 में वे एक आयोग से उप प्रमुख अभियोजक के रूप में जुड़े थे, जिसे 'मौत का आयोग' भी कहा जाता है। उस आयोग ने बड़ी संख्या में वैसे राजनीतिक विरोधियों को मौत की सजा सुनायी थी, जो अयातुल्ला खुमैनी के क्रांति के समर्थक रहे थे। उस फैसले का अयातुल्ला हुसैन अली मुंतजरी ने विरोध किया था, जो खुमैनी के घोषित उत्तराधिकारी थे। इस विरोध को खुमैनी ने खारिज कर दिया और मुंतजरी को नजरबंद कर दिया गया। रईसी के राष्ट्रपति के कार्यकाल में 2022 के सरकार विरोधी प्रदर्शन का कठोरता से दमन किया गया था।

इन प्रदर्शनों की मुख्य वजह आर्थिक परेशानी और सरकार द्वारा खर्च में कटौती थी। जब 13 सितंबर, 2022 को पुलिस हिरासत में एक कुर्द महिला माशा अमीनी की मौत हो गयी, तो प्रदर्शनों ने नया रुख ले लिया। माशा अपने भाई के साथ रिश्तेदारों से मिलने तेहरान आयी ही थी कि उसे ठीक से हिजाब नहीं पहनने के आरोप में कथित नैतिक पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उसे पीट-पीटकर मार डाला। उसके बाद पूरे देश में बड़े-बड़े प्रदर्शन होने लगे, जिनके बारे में इतिहासकारों ने रेखांकित किया है कि 1979 की क्रांति के बाद ईरान में वैसे प्रदर्शन कभी नहीं हुए। निश्चित रूप से ये प्रदर्शन 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति महमूद अहमदीनिजाद के विरुद्ध हुए 'ग्रीन मूवमेंट' के प्रदर्शनों से बहुत बड़े थे।

साल 2021 से इब्राहिम रईसी की विदेश नीति में पड़ोसी देशों से संबंध बेहतर करना, एशियाई ताकतों, चीन और रूस से रिश्तों को गहरा करना तथा अमेरिका से 2015 में हुए परमाणु समझौते को फिर से लागू करने के लिए प्रयास करना प्रमुख तत्व थे। जर्मन इंस्टिट्यूट ऑफ ग्लोबल स्टडीज द्वारा नवंबर 2021 में प्रकाशित अध्ययन में इसे 'व्यावहारिक क्रांतिकारिता' कहा गया तथा इसे अली खामनई के बाद युवा क्रांतिकारी पीढ़ी के लिए ऐतिहासिक 'द्वितीय चरण' के प्रारंभ की संज्ञा दी गयी। रईसी की नीति का मतलब था- अमेरिका और इस्राइल के विरुद्ध लड़ रहीं प्रतिरोधी शक्तियों का समर्थन करना तथा इस क्षेत्र से अमेरिकी सेना का हटाना। इस नीति की व्यावहारिकता में क्षेत्रीय समस्याओं के लिए क्षेत्रीय समाधान, पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों (संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, तालीबान आदि) से तकरार घटना तथा चीन जैसी एशियाई शक्तियों से रणनीतिक निकटता बढ़ाना शामिल थे।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि परमाणु समझौते के अलावा रईसी ने अपने सभी उद्देश्यों को हासिल किया। इस महीने प्रकाशित यूएस इंस्टिट्यूट ऑफ पीस के एक पत्र में कहा गया है कि बड़ी मात्रा में हथियार देकर ईरान ने यूक्रेन युद्ध में आगे बढ़ने में रूस की मदद की है। चीन की मध्यस्थता के जरिये ईरान ने सऊदी अरब से कैसे अपने संबंध सुधारे, इसका अध्ययन बताता है कि वास्तविक धरातल पर 'व्यावहारिक क्रांतिकारिता' ने कैसे काम किया। साल 2011 में शिया बहुल पूर्वी प्रांत में हुए विद्रोह के लिए सऊदी अरब ने जनवरी 2016 में एक प्रमुख शिया मौलाना शेख निम्र को 47 अन्य लोगों के साथ मौत की सजा दे दी। इसके विरोध में प्रदर्शनकारियों ने तेहरान और मशहद में सऊदी दूतावासों में भारी तोड़-फोड़ की, जिसके बाद दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध टूट गये।

ईरान ने 2016 में हज में हिस्सा लेना स्थगित कर दिया। इसके जवाब में सऊदी अरब ने हज के प्रसारण के लिए फारसी भाषा का एक टीवी चैनल ही शुरू कर दिया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में ईरान परमाणु समझौते से अलग होने की एकतरफा घोषणा कर दी। सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर 2019 में हुए हूथी हमलों ने भी दोनों देशों के रिश्ते बिगाड़ने में योगदान दिया।

अगले वर्ष जब बगदाद में अमेरिकी हमले में ईरान के उच्च सैन्य अधिकारी कासिम सुलेमानी की मौत हुई, तो आधिकारिक सऊदी मीडिया में इस पर खुशी जतायी गयी। पर रईसी के पदभार संभालने के साथ धीरे-धीरे स्थिति सुधरने लगी। उन्होंने मतभेद खत्म करने के लिए बातचीत की पेशकश की। साल 2022 तक दोनों देशों के बीच पांच गोपनीय बैठकें हो चुकी थीं। दिसंबर 2022 में जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सऊदी अरब गये, तो उन्हें मध्यस्थता करने का निवेदन किया गया। उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया तथा सऊदी अरब के संदेश को ईरान तक पहुंचा दिया।

ईरान ने भी चीन की मध्यस्थता को स्वीकार कर लिया। फरवरी 2023 में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी चीन के राजकीय दौरे पर पहुंचे और वहां उन्होंने ईरान की स्वीकृति की सूचना चीनी नेतृत्व को दी। जॉर्ज टाउन विश्वविद्यालय के एक लेख में चीनी मध्यस्थता के कारणों को रेखांकित किया गया है। साल 2021 में चीन और अरब देशों का द्विपक्षीय व्यापार 300 अरब डॉलर हो गया, जिसमें चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का व्यापार 200 अरब डॉलर था। अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद सऊदी अरब और रूस के बाद चीन का तीसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है।

आज का इतिहास

1868 पहला ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस इंग्लैंड के मैनचेस्टर में आयोजित किया गया।
1886 ग्रोवर क्लीवलैंड व्हाइट हाउस में शादी करने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति बने जब उन्होंने फ्रांसेस फोलसम को विवाहित किया।
1896 जी मार्कोनी ने रेडियो को अपने नाम पर पेटेंट कराने के लिये आवेदन दिया जो बाद में दो जुलाई 1897 को स्वीकार कर लिया गया।
1901 कत्सुरा तारो जापान के प्रधानमंत्री बने।
1902 एन्थ्रेसाइट कोयले की हड़ताल अमेरिका में शुरू हुई।
1909 एलफ्रेड डेकिन लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री चुने गए।
1910 रोल्स-रॉयस के सह-संस्थापक चार्ल्स रोल्स इंग्लिश चैनल बायप्लेन के एक गैर-स्टॉप डबल क्रॉसिंग बनाने वाले पहले व्यक्ति बन गए।
1910 रोल्स-रॉयस के सह-संस्थापक चार्ल्स रोल्स विमान से इंग्लिश चैनल के एक गैर-स्टॉप डबल क्रॉसिंग बनाने वाले पहले मंटो बन गए।
1919 लुइगी गैलनी के पहले रेड स्केयर-अनार्किस्ट अनुयायियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के आठ शहरों में आक्रामक बम स्थापित किए।
1953 ऑस्ट्रिया और सोवियत संघ राजनयिक संबंध स्थापित किया।
1953 ब्रिटिश राजगद्दी पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की ताजपोशी हुई।
1966 अमेरिका ने अपने पहले ही प्रयास में चंद्रमा पर अंतरिक्षयान उतारा।
1967 जर्मन विश्वविद्यालय के छात्र बेनो ओहनेसर्ग को ईरान के शाह, मोहम्मद रजा पहलवी की यात्रा के खिलाफ पश्चिम बर्लिन में एक अनुष्ठान के दौरान मार डाला गया था, जो आतंकवादी समूह 2 जून के आंदोलन के गठन को भड़काता था।
1976 फिलीपीन सरकार ने सोवियत संघ के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किये।
1983 अमेरिका के सिनसिनाटी में एयर कनाडा के डीसी-9 विमान में आग लगने से 23 लोगों की मौत हुई।
1983 इन-फ्लाइट में आग लगने के कारण आपातकालीन लैंडिंग के बाद, एयर कनाडा फ्लाइट 797 में सवार तेईस यात्रियों की मौत हो गई, जब विमान के दरवाजे खुलने के साथ ही तबाह हो गया।

भाजपा की सीटें पांच राज्यों में घट रही, पांच में ही बढ़ रही

अजय सेतिया

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली को छोड़कर अन्य किसी भी राज्य में इंडी एलायंस की सीट शेयरिंग नहीं हुई। इसमें कोई शंका नहीं है कि इन चारों ही राज्यों में विपक्ष ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी है। दिल्ली को छोड़कर बाकी तीनों राज्यों में एनडीए की सरकारें है। सत्रहवीं लोकसभा के आख़िरी दिनों में इन चारों राज्यों की 175 लोकसभा सीटों में से 153 सांसद एनडीए के थे। महाराष्ट्र और बिहार के 88 में से 80 सांसद एनडीए के थे। महाराष्ट्र में भाजपा 24 और शिवसेना 18 लोकसभा सीटें जीती थी, राष्ट्रवादी कांग्रेस 4, कांग्रेस एक और एक सीट पर निर्दलीय जीती थी। शिवसेना के विभाजन के बाद 13 सांसद एनडीए में रह गए थे, राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन के बाद तीन सांसद एनडीए में शामिल हो गए थे, निर्दलीय सांसद नवनीत राणा भी एनडीए में शामिल हो गई थी।

इस तरह सत्रहवीं लोकसभा के आख़िरी दिनों में महाराष्ट्र के 48 में से 41 सांसद और बिहार में 40 में से 39 सांसद एनडीए में थे, जिनमें भाजपा के 17, जेडीयू के 16 और दोनों लोक शक्ति पार्टियों के छह सांसद शामिल थे। लेकिन इन दोनों राज्यों में एनडीए को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा है। भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह भी मानते हैं कि इस बार इन दोनों राज्यों से 80 सांसद नहीं आने वाले और भाजपा के खुद भी 41 नहीं आने वाले, यह संख्या 32 से 35 तक हो सकती है। सहयोगियों की संख्या भी 39 से घट कर 25 के आसपास हो सकती है। यानी इन दोनों राज्यों में अकेले भाजपा को 6 से 9 तक सीटों का नुकसान होगा।

अमित शाह ने कबूल किया है कि बिहार और महाराष्ट्र के अलावा राजस्थान और हरियाणा में भी भाजपा को 4 से 6 सीटों तक का नुकसान हो सकता है। कर्नाटक में भी 28 में से 25 की यथास्थिति बनाए रखना असंभव है, भले ही अमित शाह का दावा है कि कांग्रेस सरकार ने 35 में से सिर्फ 3 वायदे निभाए हैं और कुछ ही महीनों में उसकी साख गिर गई है। लेकिन जेडीएस से गठबंधन का भाजपा को फायदे के बजाए नुकसान हो सकता है, और वह दो से पांच सीटें कर्नाटक में भी गंवा सकती है। यानी बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा और कर्नाटक में भाजपा को 15 से 20 तक सीटों का नुकसान होगा। महाराष्ट्र और बिहार में सहयोगी दलों को भी 14-15 सीटों का नुकसान होगा। कुल मिला कर एनडीए को 29 से लेकर 35 सीटों का नुकसान इन पांच राज्यों में होगा।

उत्तर प्रदेश में 30 सीटें ऐसी हैं, जहां इंडी एलायंस के उम्मीदवारों की एनडीए से कड़ी टक्कर हुई है, यानी बाकी 50 सीटें तो पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछली बार एनडीए की 64 सीटें थीं और दो बाद में उपचुनाव में जीत कर 66 हो गई थी। लेकिन जिन 30 सीटों पर कड़ी टक्कर है, उनमें से अगर भाजपा आधी भी जीतती है, तो एनडीए की सीटें 65 हो जाती है, जो सत्रहवीं लोकसभा की यथास्थिति ही होगी। अखिलेश यादव कुछ ज्यादा उम्मीद लगाए हैं, लेकिन अमित शाह की भविष्यवाणी भाजपा को 70-72 सीटों की और एनडीए को 75-76 सीटों की है। उनका आकलन समाजवादी पार्टी को तीन सीटें मिलने का और कांग्रेस को 1-2 सीटों का है। जहां तक दिल्ली का सवाल है, तो केजरीवाल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव का दावा सभी सातों सीटें जीतने का है, जबकि अमित शाह की तरह दिल्ली में भी आम धारणा है कि सातों सीटें तीसरी बार भी भाजपा जीत रही है।

पांच राज्यों में भाजपा को 15 से 20 तक सीटों का नुकसान साफ़ दिखाई दे रहा है। तो 303 की यथास्थिति बनाए रखने के लिए इस नुकसान की भरपाई कहां से होगी। भाजपा के पास पंजाब, झारखंड, छत्तीसगढ़ और असम में कम से कम एक-एक सीट बढ़ने का फीडबैक है। इसके अलावा भाजपा कम से कम पांच-छह सीटों की भरपाई उत्तर प्रदेश से करने के प्रति आश्वस्त है। यानि नुकसान 15 से 20 तक का और भरपाई सिर्फ 9-10 सीटों की। उत्तर प्रदेश में पांच छह सीटें बढने की भाजपा की उम्मीद अतिश्योक्ति नहीं है। उसके दो बड़े कारण है, पहला कारण तो जनकल्याण की योजनाओं का जमीन पर क्रियान्वयन और गुंडाराज की समाप्ति है, जबकि दूसरा कारण बहुजन समाज पार्टी का सभी 80 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करना है, जिनमें से 23 उम्मीदवार मुस्लिम हैं, जिसने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गेम प्लान चौपट कर दिया है। भाजपा गुजरात, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, गोवा के अलावा केंद्र शासित लद्दाख और चंडीगढ़ में यथास्थिति की उम्मीद लगाए है।

इसके बावजूद बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा और कर्नाटक में होने वाले नुकसान की भरपाई इन राज्यों से नहीं होती। फिर वे कौन से राज्य हैं, जहां भाजपा की सीटें बढ़ रही हैं, और जिनके भरोसे वह अपनी सीटें 350 से ज्यादा होने और एनडीए की सीटें 400 होने का दावा कर रही है। भाजपा का उड़ीसा, बंगाल, पूर्वोत्तर, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में सीटें बढने का दावा है, और भाजपा के विरोधी भी मान रहे हैं कि इन चारों राज्यों और पूर्वोत्तर में भाजपा की सीटें बढ़ रही हैं। इन चारों राज्यों में से दो राज्यों पश्चिम बंगाल, उड़ीसा में क्षेत्रीय दलों की सरकारे हैं। इन दोनों ही राज्यों में कांग्रेस का लगभग सफाया हो चुका है और भाजपा क्षेत्रीय दलों के विकल्प के रूप में उभर रही है। ये दोनों ही राज्य भाजपा के टार्गेट पर हैं, अब तक वह दूसरे नंबर की पार्टी है और इस बार लक्ष्य पहले नंबर की पार्टी बनाना और दोनों राज्यों में अपनी सरकार बनाना है। उड़ीसा में पिछली भाजपा ने 21 में से 8 सीटें जीती थी, जबकि बीजू जनता दल ने 12 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। पश्चिम बंगाल में भाजपा 18, तृणमूल कांग्रेस 22 और कांग्रेस 2 सीटों पर जीती थी। उड़ीसा में भाजपा का टार्गेट लोकसभा की 15 से 17 सीटें जीतने का है, और बंगाल में 25 से 30 सीटें जीतने का टार्गेट है। यानी दोनों राज्यों में कम से कम सात सात सीटों की बढ़ोतरी, उड़ीसा में 8 से बढ़कर कम से कम 15 और बंगाल में 18 से बढ़कर कम से कम 25 सीटें। अगर उड़ीसा में 17 और बंगाल में 30 तक सीटें नहीं भी आती हैं, और भाजपा दोनों राज्यों में सात सात सीटें बढ़ा लेती है, तो बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा और कर्नाटक में होने वाले नुकसान की भरपाई उत्तर प्रदेश, उड़ीसा और बंगाल से हो जाएगी।

तेलंगाना में हाल तक क्षेत्रीय दल की सरकार थी, इस बार कांग्रेस के साथ भाजपा की लगभग आमने सामने की टक्कर बनी है। भारत राष्ट्र समिति नरेंद्र मोदी के परिवारवादी पार्टियों के खिलाफ हमले का शिकार होने वाली पहली पार्टी है, जिस का अंत होता दिख रहा है। हालांकि इसका फायदा कांग्रेस को हुआ है। पिछले दस साल से भारत राष्ट्र समिति के संस्थापक के. चन्द्रशेखर राव की सरकार थी, हाल ही के विधानसभा चुनावों में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनावों में उनका पूरा सफाया होने वाला है। तेलंगाना में पिछली बार भारत राष्ट्र समिति 9, भाजपा 4, कांग्रेस 3 और एक सीट ओवेसी जीते थे। इस बार भारत राष्ट्र समिति एक सीट जीत ले तो बड़ी बात होगी, जबकि ओवेसी की जीत पक्की है। फायदा भाजपा और कांग्रेस दोनों को होगा। आदिलाबाद, चेवेल्ला, करीमनगर, मलकागिरी, निजामाबाद, सिकंदराबाद सीटें भाजपा की पक्की है, जबकि खम्मम, महबूबाबाद, नगरकर्नूल, नलगोंडा और पेद्दापल्ली कांग्रेस की पक्की सीटें हैं। भोंगीर, महबूबनगर, वारंगल और जहीराबाद में कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर है, इनमें कांग्रेस का पलड़ा सिर्फ वारंगल में भारी है। जबकि भारत राष्ट्र समिति सिर्फ मेढक में कांग्रेस और भाजपा के साथ तिकोने मुकाबले में है। हालांकि अमित शाह ने पार्टी फीडबैक के अनुसार दस सीटें जीतने का दावा किया है, लेकिन भाजपा आठ से नौ सीटें जीत सकती है। आंध्र प्रदेश का मुकाबला भी कम दिलचस्प नहीं है। भाजपा वहां तेलुगु देशम और जनसेना पार्टी के गठबंधन के साथ चुनाव लड़ी है। लोकसभा के साथ विधानसभा के चुनाव भी हो रहे हैं, भाजपा लोकसभा की छह और विधानसभा की दस सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा को आंध्र प्रदेश में चार सीटों के अलावा केरल और तमिलनाडु में कम से कम एक एक सीट जीतने की पूरी उम्मीद है।

इन तीनों राज्यों से पिछली बार भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी। तो कुल मिला कर भाजपा को अगर मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल में कोई नुकसान नहीं हुआ, तो उसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और असम में जितनी भी सीटें बढ़ेंगी, वही उसका फायदा होगा। अनुमानत यह फायदा 10 सीटों का है, यानी भाजपा 290 से 315 के बीच कहीं रहेगी।

सहयोगी दलों में उत्तर प्रदेश में तो पाँचों सीटें जीत सकते हैं, बिहार में जेडीयू और अन्य सहयोगी 23 सीटें लड़ रहे हैं, वे 15 तक जीत सकते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी 18 सीटें लड़ रही हैं, वे 8 तक जीत सकती हैं। आंध्र प्रदेश में टीडीपी और जनसेना पार्टी 15-16 सीटें जीत सकती हैं। तमिलनाडु में एनडीए के पार्टनर तीन-चार सीटें जीत सकते है और पूर्वोत्तर में भी पांच छह सीटें जीत सकते हैं। तो कुल मिलाकर सहयोगी पिछली बार का 50 का आंकडा बरकरार रख सकते हैं।

नरेंद्र मोदी खुद के फीडबैक और अमित शाह के फीडबैक के भरोसे आश्वस्त हैं कि वह हैट्रिक लगा रहे हैं। अमित शाह ने चुनाव प्रचार के आख़िरी दिन दावे के साथ कहा कि 16 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में भाजपा क्लीन स्वीप करेगी, यानी विपक्ष पर झाड़ू फेर देगी। हालांकि नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी शायद अब यह दावा नहीं करते कि भाजपा 370 पार हो जाएगी और एनडीए 400 पार हो जाएगा।

चुनावी दंगल में किसका होगा मंगल ?

राजकुमार सिंह

18वीं लोकसभा के चुनाव में मतदान के बीच ही सत्तापक्ष और विपक्ष ने जिस तरह बहुमत मिल जाने के दावे किए, वह आत्मविश्वास से ज्यादा अनिश्चितता का संकेतक लगता है। सात चरणों में मतदान के बीच ही चुनावों में जिस तरह मुद्दे बदले गए, उनसे भी राजनीतिक दलों की रणनीति के बजाय दिग्भ्रम का ही संकेत गया। यह दिग्भ्रम दोनों पक्षों में दिखा। दस साल के शासन को विकास का ट्रेलर मात्र बतानेवाली भाजपा ने भी चुनाव में तमाम मुद्दे आजमाए। शायद इसलिए कि आश्वस्त नहीं थी कि कौन-सा मुद्दा मतदाताओं के मन पर प्रभाव छोड़ पाएगा। इंडिया गठबंधन के बैनर तले एकजुट कांग्रेस समेत 26 विपक्षी दलों ने चुनाव प्रचार की शुरुआत नरेंद्र मोदी सरकार के अच्छे दिन आने, हर साल दो करोड़ नौकरियां देने और विदेशों में जमा कालाधन वापस लाकर हर भारतीय के खाते में 15-15 लाख देने जैसे अधूरे वायदों तथा महंगाई और बेरोजगारी जैसे जनता से सीधे जुड़े मुद्दों से की थी, लेकिन वह भी बीच मतदान अरबपति मित्र, आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों को आजमाता नजर आया। सत्तापक्ष की तरह विपक्ष भी असमंजस का शिकार था कि पता नहीं कौन से मुद्दे मतदाता का मन मोह पाएंगे। मतदाता द्वारा अपने मन की थाह न देना उसकी और लोकतंत्र की परिपक्वता की निशानी है, लेकिन उसकी मुश्किलें और जरूरतें भी न समझ पाना राजनीति के जनता से कट जाने का प्रमाण है। जन संपर्क से रोड शो में सिमट गई राजनीति की यही सीमाएं हैं कि वह मतदाता का मन पढ़ने के बजाय मोहने का प्रयास करती है। कार्यकर्ताओं और प्रतिबद्ध समर्थकों से इतर आम मतदाता इन चुनावों में जोर-शोर से उठाए गए मुद्दों पर भी प्रतिक्रिया देता नहीं दिखा। इसी से राजनीतिक दलों की बेचैनी बढ़ी, जिसे वह चुनाव के बीच ही बहुमत मिल जाने का दावा कर छिपाने की कोशिश करते दिखे। साफ कहें तो मतदान के बीच भी मुद्दों के बदलाव के बावजूद इन लोकसभा चुनावों में किसी दल या पक्ष की लहर नहीं दिखी। शायद 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इन चुनावों में यही बड़ा बदलाव है। ये चुनाव मतदाता के अपने मुद्दों तथा स्थानीय समीकरणों पर ज्यादा केंद्रित दिखे। जाहिर है, हवा बनाकर राजनीति करनेवाले दलों-नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा होगा, पर पांच साल में चुनाव ही तो वह अवसर है, जब मतदाता वह करते हैं, जो उन्हें अच्छा और सही लगता है। अगर मतदाताओं के मुद्दों और स्थानीय समीकरण पर इन चुनावों का आकलन करें तो कह पाना बहुत मुश्किल है कि इस चुनावी दंगल में मंगलवार को किसका मंगल होने जा रहा है। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा सबसे बड़ा और मजबूत राजनीतिक दल है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे लोकप्रिय राजनेता। फिर भी भाजपा के लिए 370 और उसकी अगुवाईवाले राजग के लिए 400 सीटों का लक्ष्य बहुत दूर की कौड़ी लगती है। इसके बावजूद यह तय है कि भाजपा ही अठारहवीं लोकसभा में सबसे बड़ा दल होगा।

बनारस में बम बम मोदी

संजय तिवारी

2012 में हिमाचल प्रदेश का इलेक्शन था और उस समय मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। हिमाचल में भाजपा की जीत हुई तो उस जीत की बधाई देते बैनर बनारस में लगाये गये थे। यह दूरगामी राजनीति करनेवाले नरेन्द्र मोदी की पहल पर किया गया था या फिर बनारस के लोगों ने 2012 में ही 2014 की पटकथा लिखनी शुरु कर दी थी, यह पता नहीं। लेकिन मोदी बनारस की पसंद तब बन गये थे जब वो राष्ट्रीय परिदृश्य पर नहीं आये थे। इसलिए बनारस में जब से मोदी आये हैं उनकी बम बम है। 2014 में जरूर अरविन्द केजरीवाल की मौजूदगी ने उन्हें परेशान किया था लेकिन 18 लाख से अधिक वोटरों वाले बनारस में मोदी की लड़ाई जीत हार की नहीं होती। उनकी लड़ाई इस बात के लिए होती है कि वो कितने बड़ी मार्जिन से चुनाव जीतते हैं।

2014 में साढे तीन लाख वोटों के अंतर से और 2019 में चार लाख 80 हजार वोटों से जीते। इसके बावजूद वो देश में सर्वाधिक मतों से चुनाव जीतने का रिकार्ड नहीं बना पाये। इस बार बनारस की गलियों में जिस तरह से केन्द्रीय मंत्री, प्रदेशों के मुख्यमंत्री से लेकर भाजपा के नेता पदाधिकारी भटक रहे हैं उसे देखकर लगता है कि इस बार मोदी यहां से देश में सर्वाधिक मतों से जीत का रिकार्ड बनाना चाहते हैं। इस बार भी मोदी के सामने कांग्रेस के टिकट पर अजय राय मैदान में हैं। वरना 1991 से लेकर 2019 तक यहां बीजेपी के ही उम्मीदवार एकतरफा जीतते आ रहे हैं।

लेकिन सिर्फ इस तथ्य को ध्यान में रखकर मोदी ने यह सीट अपने चुनाव लड़ने के लिए चुनी होगी, ऐसा

लगता नहीं है। मोदी से पहले 2009 में यहां से डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में थे। अपनी परंपरागत इलाहाबाद सीट छोड़कर उन्हें बनारस इसलिए आना पड़ा था क्योंकि इलाहाबाद सीट उनकी जीत के लिए असुरक्षित हो गयी थी और वो वहां से चुनाव लड़ना चाहते थे जहां हार की कोई गुंजाइश न हो। बनारस ने उन्हें निराश नहीं किया। मुख्तार अंसारी के सामने उनकी जीत मात्र 18 हजार वोटों से हुई लेकिन वो बनारस से जीतकर संसद पहुंचने में कामयाब हो गये।

2014 में मोदी का बनारस से चुनाव लड़ने का निर्णय किन कारणों से हुआ होगा यह तो वही लोग जानें लेकिन बनारस मानों मोदी की प्रतीक्षा में 2012 से ही बैठ गया था। बनारस का न सिर्फ सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि इसका राजनीतिक रूप से भी बहुत अधिक महत्व है। बनारस भारत का संभवत- इकलौता ऐसा शहर है जहां रोज सुबह शाम चौक चौराहों पर भारत की ही नहीं वैश्विक राजनीति पर विमर्श होता रहता है। दुनिया में घटित होनेवाली घटनाओं पर जितनी चर्चा बनारस में होती है, उतनी धरती के किसी और शहर में होती होगी, ऐसा लगता नहीं है।

बनारस में रहनेवाले लोग बनारस को न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक राजधानी कहते हैं बल्कि वो चर्चा और संवाद के लिहाज से इसे भारत की राजनीतिक राजधानी भी बनाते हैं। यहां होनेवाली राजनीतिक चर्चाओं में जिन सूचनाओं का आदान प्रदान या विश्लेषण होता है उसे सुनकर किसी को विश्वास नहीं होगा कि राजनीतिक घटनाओं का इतना गहन विश्लेषण यहां होता है तो क्यों होता है? क्या उनके पास अन्य कोई काम नहीं है या फिर सचमुच वो बनारस में बैठकर दिल्ली की राजनीति की दशा दिशा तय करते हैं?

अगर हम काशी के धार्मिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर न भी जाएं तो सिर्फ राजनीतिक महत्व के कारण यह जरूरी था कि भारत का कोई प्रधानमंत्री यहां से उम्मीदवार होता। बनारस से उम्मीदवार होकर मोदी ने बनारसियों की उसी चिर प्रतिक्षित इच्छा को मानों पूरा कर दिया। इसलिए बनारसी भाषा में कहें तो मोदी को पाकर बनारसियों की भी बम बम हो गयी। एक औसत बनारसी वोटर के लिए मोदी को वोट देने का मतलब देश के लिए प्रधानमंत्री निर्धारित करनेवाला काम है। वह अपने कंधों पर ऐसे ही भारी भरकम राजनीतिक जिम्मेदारियों को उठाना पसंद करता है। बनारसियों को इससे अधिक और क्या चाहिए? लेकिन बनारस की माटी ऐसी है कि यहां गोस्वामी तुलसीदास के लिए जगह है तो संत कबीर भी यहीं पाये जाते हैं। बनारस किसी को नकारता नहीं। वह सबको स्वीकारता है और उसे अपने बीच ही कहीं जगह भी देता है। इसलिए ऐसा भी नहीं है कि मोदी को बनारस ने स्वीकार किया तो विपक्ष का संपूर्ण बहिष्कार कर दिया। बनारस को जानते समय हमें यह भी जानना होगा कि दो विपरीत वैचारिक ध्रुव पर बैठे बनारसी भी साथ साथ गंगा नहाते हैं।

नतीजों पर एनडीए और इंडिया गठबंधन अपने-अपने दावे

शशिधर पाठक

एनडीए और इंडिया गठबंधन ने 1 जून को आखिरी चरण के मतदान को पक्ष में करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया। गृहमंत्री अमित शाह का दावा है कि उत्तर प्रदेश में 2014 दोहराएंगे, पूरे देश में भाजपा और एनडीए के सीटों की संख्या 2019 के आंकड़े को पार करेगी। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के संजय लाठर ने कहा कि अपने मुंह तो कोई भी मिट्ठू बन सकता है। जवाब जनता दे रही है और 4 जून को नतीजे सब साफ कर देंगे।

अमित शाह कहते हैं कि 2019 में सपा-बसपा और रालोद ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ सुभाषपा के ओम प्रकाश राजभर, रालोद के जयंत चौधरी थे। तब स्वामी प्रसाद मौर्य और सैनी ने भी समाजवादी पार्टी के पक्ष में हवा बनाई थी। इस बार केवल कांग्रेस और सपा मिलकर उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने 2014, 2017, 2019 और 2022 में भाजपा, एनडीए को उत्तर प्रदेश में मिले मतों के आधार पर में सवाल किया है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच में जो 15 प्रतिशत के करीब का वोटों का अंतर है, वह कैसे पूरा होगा?

ज्ञानेश्वर भाजपा के प्रयागराज में संगठन से जुड़े नेता है। कहते हैं चुनाव में कोई एक फैक्टर काम नहीं करता। मेरी समझ में नहीं आता कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी के मुकाबले विपक्ष के पास कौन सा चेहरा है? भाजपा की तरह पूर्ण बहुमत की सरकार देने वाली कौन सी पार्टी है? ज्ञानेश्वर कहते हैं कि अब वह जमाना लद गया जब जनता जाति, समाज में बंटकर किसी को भी वोट कर देती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी जातियों और देश के नागरिकों के नेता है। यह जनता का भरोसा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा 80 सीट पर लड़ी, खाता नहीं खुला था। सपा की 05 और कांग्रेस की बस 2 सीट आई थी। 2019 में सपा-बसपा, रालोद साथ मिलकर लड़े तो बसपा की 10, सपा की 5 सीट आई। कांग्रेस 1 सीट पर सिमट गई। 2022 के चुनाव में कुछ लोग समाजवादी पार्टी की सरकार बनवा रहे थे। लेकिन हुआ उल्टा। बसपा का तो बस एक विधायक जीत सका। ज्ञानेश्वर कहते हैं कि भाजपा सरकार में लोगों को जो सुविधाएं (अपराध पर लगाम, पांच किग्रा

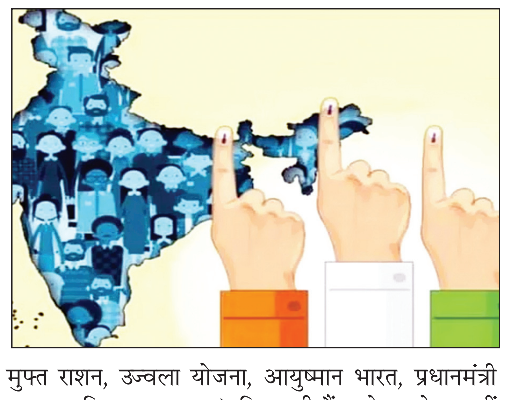

मुफ्त राशन, उज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, किसान कल्याण) मिल रही हैं, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

समाजवादी पार्टी के रणनीतिकार और वरिष्ठ नेता संजय लाठर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन नहीं था। संजय लाठर कहते हैं कि कहीं भी समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इसके प्रत्याशी या फिर दोनों के नेता चुनाव नहीं लड़े हैं। हमारे 70 प्रतिशत प्रत्याशियों ने चुनाव में भाजपा, एनडीए के मुकाबले बहुत कम पैसा खर्च किया। यहां तक कि चुनाव में हमने (कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं) ने प्रचार भी तुलना में बहुत कम किया है। लाठर का कहना है कि हमारे पास तो प्रचार के उतने संसाधन भी नहीं थे। कई सीटों पर प्रत्याशी एक से अधिक बार बदले गए, लेकिन यह चुनाव जनता लड़ रही है। लाठर दावा करते हैं कि छठवें चरण तक की 67 में से 37 सीटों पर इंडिया गठबंधन बढ़त बनाता दिखाई दिया है। जबकि भाजपा 14 सीटों पर मजबूत स्थिति में दिखाई दी। 15 सीटों पर इंडिया गठबंधन और एनडीए में कांटे की टक्कर है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम को लोकसभा चुनाव 2024 से काफी उम्मीद है। मध्य प्रदेश के कांग्रेस के नेता महेन्द्र जोशी को लग रहा है कि बड़ा बदलाव होगा। संजय गांधी के जमाने के उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के कांग्रेस नेता और एडवोकेट प्रदीप पाठक कहते हैं कि 10 साल बाद मैंने जनता के भीतर केन्द्र सरकार की नीतियों को लेकर नाराजगी देखी। मंहगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे भीतर-भीतर असर कर रहे हैं। विपक्ष राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ पा रहा है लेकिन जनता खामोशी से वोट कर रही है। सुनील कानूगोलू पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी काफी भरोसा करते हैं। सुनील कानूगोलू की टीम के एक सदस्य दावे के साथ कहते हैं कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 04 सीट जीतने जा रही है। तीन पर तगड़ी लड़ाई है। समाजवादी पार्टी 23 सीटों पर जीतने के कगार पर है। 12 सीटों पर कांटे की टक्कर है। सूत्र का कहना है कि देश में इस बार कांग्रेस अकेले 100 सीटों के आंकड़े को छू सकती है। दिल्ली में भी कांग्रेस का खाता खुल सकता है।

उत्तर प्रदेश के भाजपा के एक नेता मानते हैं कि राज्य में भाजपा को 2019 के आस-पास सीटें मिल सकती हैं। जबकि बसपा अलग चुनाव लड़ी है और सपा-कांग्रेस का गठबंधन शुरुआत में बहुत प्रभावी नहीं था। वरिष्ठ नेता का कहना है कि गाजियाबाद से गोरखपुर तक उन्होंने यात्रा की है। 2019 की तुलना में सीटें न बढ़ने के कारण में सूत्र का कहना है कि मंहगाई, बेरोजगारी मुद्दा थी। विपक्ष का केन्द्र की मोदी सरकार पर संविधान बदलने का राजनीतिक आरोप जनता में निचले स्तर तक गया और एनडीए इसकी मजबूत काट नहीं खड़ी कर सका। 10 साल में लोगों के जीवन में आए बदलाव को ठीक ढंग से प्रचारित करने में चूक हुई। कुछ नुकसान पार्टी के प्रत्याशी के चयन, संगठन की बजाय प्रधानमंत्री के चेहरे पर ही पूरे चुनाव को फोकस करने से हो सकता है। हालांकि केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के दावे पर वह कुछ नहीं बोलते। इस बारे में सूत्र का कहना है कि केन्द्रीय गृहमंत्री के पास सूचना प्राप्त करने के मजबूत तंत्र हैं। हो सकता है कि गृहमंत्री का अनुमान सटीक हो। इसलिए 4 जून का इंतजार करना चाहिए।

कांग्रेस के नेता संजीव सिंह कहते हैं कि कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में क्या हुआ था? केन्द्रीय मंत्री अमित शाह तो भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवा रहे थे? दिल्ली में क्या हुआ? संजीव सिंह कहते हैं कि हर पार्टी का नेता कहता है कि उसकी पार्टी जीतेगी। पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। अमेठी के कांग्रेस के नेता शैलेन्द्र दूबे कहते हैं कि विपक्ष भाजपा की 200 सीटों के नीचे आने की भविष्यवाणी कर रहा है। यह हम भी जानते हैं कि ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन यह चुनाव है। कार्यकर्ता और जनता का मनोबल बढ़ाने के लिए दावे किए जाते हैं। अमित शाह भी ऐसा ही कर रहे हैं।

पंजाब में बदलाव की लहर का सीधा फायदा भाजपा को

नीरज कुमार दुबे

पंजाब में लोकसभा की 13 सीटें हैं। जबसे पंजाब राज्य की स्थापना हुई है तबसे यह पहली बार है जब सभी प्रमुख दल अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं और कोई भी गठबंधन इस बार के चुनाव मैदान में नहीं है। भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, बसपा तो अकेले चुनाव लड़ ही रहे हैं साथ ही सिमरनजीत सिंह मान की पार्टी भी कुछ सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। इस तरह कई सीटों पर पांच कोणीय मुकाबला है तो कहीं छह कोणीय चुनावी मुकाबला हो रहा है। जाहिर है मतों के इस भारी विभाजन के चलते इस बार हार और जीत का अंतर बेहद मामूली रहने वाला है। पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी का प्रयास है कि सभी 13 सीटों पर जीत हासिल की जाये लेकिन कांग्रेस भी पूरा दमखम लगाये हुए है। कांग्रेस अब भी यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाई है कि 11 साल पुरानी पार्टी ने उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का वैसे तो दिल्ली, गुजरात, असम, हरियाणा और चंडीगढ़ में गठबंधन है लेकिन पंजाब में दोनों एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। इसके चलते मतदाता भी हैरान हैं। मतदाता आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि चंडीगढ़ में दोनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़ रही हैं और भाजपा को निशाने पर ले रही हैं लेकिन चंडीगढ़ से 15-20 मिनट की दूरी से शुरू होने वाले पंजाब राज्य में आते ही यह दोनों दल एक दूसरे के खिलाफ ही हमला बोल रहे हैं। ऐसे में सवाल राजनीतिक शुचिता का भी उठ रहा है और गठबंधन धर्म का मजाक बनने से राजनीतिक प्रेक्षक भी हैरान हैं। दूसरी ओर, कुछ समय पहले किसान आंदोलन के चलते भाजपा का ग्राफ यहां तेजी से गिरा था। आज भी गांवों में भाजपा के खिलाफ नाराजगी का माहौल देखा जा सकता है। हालांकि यह माहौल कुछ लोगों ने साजिशन बनाया है। खासतौर पर मतदान से ठीक पहले जिस तरह संयुक्त किसान मोर्चा ने भाजपा को हराने का आह्वान कर दिया है उससे भी गांवों में भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा किसानों ने सभी 13 लोकसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के घर के बाहर धरना प्रदर्शन भी आयोजित कर रखा है जिससे भगवा दल की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। लेकिन भाजपा इस सबसे बेपरवाह होकर अपना चुनावी अभियान आगे बढ़ा रही है और उसे खासतौर पर शहरी मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिलता दिख रहा है। मीडिया की चुनाव यात्रा जब पंजाब के विभिन्न शहरों में पहुँची तो हमने पाया कि आम आदमी पार्टी ने बिजली बिल माफ करने के अलावा कोई वादा पूरा नहीं किया है। पंजाब को नशे से मुक्त कराने की बात कही गयी थी लेकिन नशाखोरी और बढ़ गयी है। महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह का वादा पूरा नहीं होने से स्त्री शक्ति नाराज है। व्यापारी और उद्योगपति इसलिए निराश हैं क्योंकि कानून व्यवस्था सही नहीं होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। आंदोलनों के चलते निवेशक सतर्क हैं जिससे पंजाब में निजी निवेश नहीं आ रहा है और इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ रहा है। हमने जब लोगों के मन की बात जानने का प्रयास किया तो सबने एक ही बात कही कि प्रधानमंत्री मोदी से कहिये कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को छह महीने के लिए पंजाब का मुख्यमंत्री बना दें ताकि यहां भी सब ठीक हो सके। हमने पाया कि राज्य सरकार से जनता की नाराजगी, कांग्रेस पार्टी में चुनाव के समय हुए बिखराव और शिरोमणि अकाली दल की ओर से सारा ध्यान भठिंडा पर ही लगा दिये जाने के चलते जनता भाजपा के साथ जुड़ रही है। भाजपा ने कांग्रेस के बड़े नेताओं को पार्टी में लाकर चुनाव मैदान में उतार कर जो चाल चली है वह कामयाब होती दिख रही है। हमने पाया कि जालधंर में सुशील कुमार रिंकू, पटियाला में महारानी प्रणीत कौर और लुधियाना में रवनीत सिंह बिट्टू चुनाव जीत कर भाजपा की झोली में यह तीनों सीटें पहली बार डाल सकते हैं। इसके अलावा हमने गुरदासपुर और आनंदपुर साहिब में भी भाजपा को मजबूत पाया। भाजपा ने यहां अकेले चुनाव लड़ने का जो फैसला किया था उसके चलते पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश देखते ही बन रहा था। हमने जालंधर और लुधियाना में राम मंदिर मुद्दे का काफी प्रभाव भी देखा।

जर्मनी के ब्रांडेनबर्ग फॉरेस्ट में होने वाली आयरनमैन रेस में भाग लेने वाली एकमात्र बॉलीवुड एक्ट्रेस बनीं सैयामी खेर ;

'यह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है'

अभिनेत्री सैयामी खेर बर्लिन में प्रतिष्ठित आयरनमैन रेस की तैयारी के लिए अपनी सीमा से आगे बढ़ रही हैं और पहले से कहीं ज्यादा पसीना बहा रही हैं। यह दौड़ 15 सितंबर को बर्लिन से 30 मिनट की दूरी पर एर्कनर के अनोखे शहर में आयोजित की जाएगी । मानसिक और शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के प्रति अपने समर्पण के लिए जानी जाने वाली सैयामी खेर ने हमेशा अपने जीवन में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की है। इस बार, वह कठिन आयरनमैन रेस की तैयारी करके अपनी प्रतिबद्धता को एक नए स्तर पर ले जा रही है, जिसमें तैराकी, साइकिल चलाना और दौड़ना शामिल है। अपनी भागीदारी के साथ, सैयामी इस चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली महिला अभिनेता के रूप में इतिहास रचने के लिए तैयार हैं । जर्मनी के ब्रांडेनबर्ग फॉरेस्ट में होने वाली आयरनमैन रेस में भाग लेने वाली एकमात्र बॉलीवुड एक्ट्रेस बनीं सैयामी खेर ; यह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है

सैयामी की कठोर प्रशिक्षण व्यवस्था उनके दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रमाण है। वह साथी अभिनेता मिलिंद सोमन से प्रेरणा लेकर अपनी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं, जो यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र पुरुष अभिनेता हैं।

सैयमी कहती है, मैंने हमेशा इस बारे में बात की है कि खेल ने मुझे न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी फिट रखा है।

आयरनमैन के लिए तैयारी करना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, यह आप बनाम आप है। छोटी-छोटी जीतें। खुद को बेहतर बनाना। खुद को आगे बढ़ाना और अपना रास्ता खोजना और आंतरिक शक्ति तलाशना। यह हमेशा मेरी बकेट लिस्ट में रहा है और आखिरकार मैंने फैसला किया। यह कठिन है, खासकर शूटिंग के दौरान दिन में 2 घंटे समर्पित करना काफ़ी अतिव्यस्त होता है।

सैयामी खेर अपने अटूट समर्पण और जुनून से स्क्रीन पर और बाहर दोनों जगह प्रेरित करती रहती हैं। आयरनमैन दौड़ की ओर उनकी यात्रा महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए अथक प्रयास करने की उनकी क्षमता का एक और उदाहरण है।

फिल्मों की बात करें तो सैयामी अपनी अगली फिल्म अग्नि में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु शर्मा के साथ नज़र आएंगी। यह फिल्म राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर के तहत फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा निर्मित है। अग्नि फिल्म अग्निशामकों के जीवन का जश्न मनाती है और उनकी खोज करती है।

शिल्पा ने पूरी की 'द डेविल्स' की शूटिंग 'सत्यवती' के रूप में आएंगी नजर

इससे पहले 2024 में शिल्पा शेट्टी ने इंडियन पुलिस फॉर्स में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था । और अब, वह केडी - द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जितने के लिए तैयार है । शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत्त स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। मार्च में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री सत्यवती के रूप में केडी के बैटलफील्ड में शामिल होंगी। पोस्टर में शिल्पा रेट्रो लुक रिलीज़ किया गया था , जिसमे वे पोल्का डॉट्स साड़ी और ओवरसाइज्ड चश्मा पहने हुए नज़र आयी थीं । केडी - द डेविल के निर्देशक प्रेम ने शिल्पा को एक पावरहाउस कहा था और लिखा था, युद्ध राज्यों के बीच होता है और एक राज्य को एक शक्तिशाली सत्यवती की आवश्यकता होती है। शिल्पा पहले भी कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और नोरा फतेही भी होंगी। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी - द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत करता है केडी-द डेविल, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ये जवानी है दीवानी की रिलीज को पूरे हुए 11 साल

फिल्म ये जवान है दीवानी की रिलीज को आज 11 साल पूरे हो चुके हैं, ऐसे में फिल्म की बात हो और दीपिका पादुकोण द्वारा निभाए गए नैना तलवार के आइकॉनिक किरदार का जिक्र ना हो, यह हो नहीं सकता। नैना एक पढ़ाकू और गर्ल नेक्स्ट डोर थी, जिसने अपनी रिलेट करने वाली कहानी और किरदार से देश भर के दर्शकों के दिलों को दिल जीत लिया। दीपिका द्वारा निभाया गया नैना तलवार का किरदार आज भी उनकी सबसे यादगार और रिलेट करने वाली भूमिकाओं में से एक है, जिससे अनगिनत महिलाएं और पुरुष कनेक्ट कर पाते हैं। ये जवानी है दीवानी की रिलीज को पूरे हुए 11 ; फ़िल्म में अपने किरदार 'नैना तलवार' से रिलेट करते हुए दीपिका पादुकोण ने कहा-फिल्म में नैना की ग्रोथ, कुछ मायनों में, मेरी खुद की ग्रोथ जैसी ही है. नैना तलवार को एक असली टॉपर के रूप में इंट्रोड्यूस किया गया है, जो हमेशा किताबों में डूबी रहती है और अपनी पढ़ाई में विश्वास रखती है। लेकिन उसकी आंखों में अपने कंफर्ट जोन से निकल कर अपनी जिंदगी को जीने की एक उम्मीद भी है। नैना में छुपी ख्वाइश, आजादी की तलाश और अपने आप को पहचानने की इच्छा है जो उसे प्रेरणा देती है। बहुत से लोगों ने नैना में अपने सपनों और खुद में मौजूद डर की झलक देखी है, जो नैना की यात्रा को एक इंस्पिरेशन बनाता है। इस किरदार की पॉपुलैरिटी इतनी ज़्यादा थी कि दीपिका पादुकोण ने जो चश्मा पहना था, वह भी लोगों को पसंद आया। साथ ही, उनके दूसरे लुक भी लोगों को पसंद आए। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 188 करोड़ से ज़्यादा की कमाई अपने नाम की थी। यहां तक की, दीपिका ने अपने किरदार नैना तलवार को निभाना के बारे में कहा था, मुझे नैना का किरदार निभाने में बहुत मज़ा आया। मैंने उसमें खुद को और खुद में नैना को देखा। फिल्म में नैना का ग्रोथ, कुछ मायनों में, मेरे खुद के ग्रोथ जैसा ही है। ये जवानी है दीवानी के डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने भी पहले कहा था, जब दीपिका ने फिल्म करने के लिए हामी भरी थी, तब मुझे बहुत ज्यादा भाग्यशाली महसूस हुआ, क्योंकि सभी लोगों में से उनकी डेडीकेशन और कांट्रिब्यूशन सबसे ज्यादा था। नैना की चमक उसकी असलियत में है, जिसे दीपिका ने बहुत ही गर्मजोशी और ईमानदारी से निभाया है। यह क्वालिटीज ने नैना को दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में मदद की है। फिल्म की रिलीज के 11 साल बाद, नैना तलवार एक ऐसा किरदार है, जो गहराई से गूंजता है, जो कई महिलाओं की आकांक्षाओं, संघर्षों और जीत को दर्शाता है। यह किरदार अपने अंदर के सपनों को समझने और ताकत हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाने की हिम्मत देता है।

दिल छू लेती है राजकुमार राव-जाह्नवी कपूर की मिस्टर एंड मिसेज माही

मिस्टर एंड मिसेज माही, एक क्रिकेट के दीवाने जोड़े की कहानी है। साल 2017 है। जयपुर के रहने वाले महेंद्र अग्रवाल (राजकुमार राव) राज्य की टीम में चुने जाने में असफल हो जाते हैं क्योंकि उनका आखिरी शॉट ग़लत हो जाता है। उनके पास अपने पिता (कुमुद मिश्रा) की स्पोर्ट्स शॉप में काम करना शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। 5 साल बाद, महेंद्र एक अरेंज मैरिज के लिए डॉ महिमा (जाह्नवी कपूर) से मिलते हैं। महेंद्र के पिता झूठ बोलते हैं कि महेंद्र ने उनके व्यवसाय को काफ़ी बढ़ाने में मदद की है। महेंद्र महिमा के सामने कबूल करता है कि यह बिल्कुल भी सच नहीं है। महिमा महेंद्र की ईमानदारी से आकर्षित हो जाती है

और वह उससे शादी करने के लिए तैयार हो जाती है। पहली रात को, महेंद्र यह जानकर सुखद आश्चर्यचकित होता है कि महिमा क्रिकेट की दीवानी है। यह उन दोनों को एक-दूसरे के प्रति और भी आकर्षित करता है। महेंद्र महिमा के प्यार में पागल हो जाता है और ऐसा करते समय, वह स्पोर्ट्स शॉप चलाने में लापरवाह हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप उसे नुकसान होता है वह उसे एक मौका देता है और फिर भी महेंद्र असफल हो जाता है। यह तब होता है जब बेनी उसे कोच बनने की सलाह देता है। एक दिन, वह महिमा को क्रिकेट खेलते हुए देखता है। वह उसे मेडिकल प्रैक्टिस छोड़ने के लिए कहता है, जहाँ वह वैसे भी खुश नहीं है, और उसके अधीन प्रशिक्षण लेती है। आगे क्या होता है इसके लिए पूरी फ़िल्म देखनी होगी ।

निखिल मेहरोत्रा और शरण शर्मा की कहानी में दम हैं । हमने असफल व्यक्तियों द्वारा महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को सफलता की ओर ले जाने वाली फ़िल्में देखी हैं। लेकिन यहाँ, कोच पति है और यह एक नयापन देता है। निखिल मेहरोत्रा और शरण शर्मा की पटकथा सहज है। फ़र्स्ट हाफ़ इमोशंस और हास्य से भरपूर है। लेकिन लेखन में कुछ जगहें कमजोर हैं। निखिल मेहरोत्रा और शरण शर्मा के डायलॉग्स फ़िल्म के अधिकांश हिस्सों में अच्छी तरह से लिखे गए हैं।

शरण शर्मा का निर्देशन प्रभावी है। उन्होंने उच्च बिंदुओं के साथ अच्छा काम किया है और उनमें से कई हैं- जैसे महेंद्र महिमा के पिता को एक टाई उपहार में देता है, महेंद्र और महिमा को एक-दूसरे में क्रिकेट के लिए अपने प्यार का एहसास होता है, महेंद्र महिमा को खुशी के लिए धन्यवाद देता है, आदि। इंटरमिशन ताली बजाने लायक है।

इंटरमिशन के बाद, महिमा के क्रिकेट करियर की शुरुआत के साथ फ़िल्म एक नया मोड़ लेती है। हालाँकि, यहाँ से, फ़िल्म पूर्वानुमानित हो जाती है क्योंकि कोई अनुमान लगा सकता है कि आगे क्या होगा। खेल भी ओवरडोज़ रहा है। परिणामस्वरूप, दर्शक अंत में तालियाँ नहीं बजा पाएँगे। पति का अपनी पत्नी से ईर्ष्या करने वाला ट्रैक अभिमान [1973] की एक मजबूत याद दिलाता है। इसके अलावा, पूरी फिल्म में अविश्वसनीय संवाद क्लाईमेक्स के दो महत्वपूर्ण दृश्यों में दम नहीं दिखा पाते। साथ ही, माँ का किरदार महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे बहुत कम महत्व दिया जाता है। वह फिल्म के अंतिम भाग में अनुपस्थित है, हालाँकि वह कथा में अविश्वसनीय योगदान देती है।

राजकुमार राव नैचुरल लगते हैं । उनके अभिनय में कोई कमी नहीं है और सेकेंड हाफ़ में, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर अपनी योग्यता साबित की है। यह शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण फिल्म थी और उन्होंने बेहतरीन काम किया है। कुमुद मिश्रा भरोसेमंद हैं। राजेश शर्मा उम्मीद के मुताबिक प्यारे हैं। ज़रीना वहाब बहुत अच्छी हैं, लेकिन दुख की बात है कि उन्हें कम स्क्रीन टाइम मिलता है । प्री-क्लाइमेक्स में उनका किरदार बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन पहले भाग और समापन में, उन्हें वह नहीं दिया गया है जिसकी वे हकदार हैं। पूर्णेंदु भट्टाचार्य (महिमा के पिता) और यामिनी दास (महिमा की माँ) अच्छे हैं। अरिजीत तनेजा (सिकंदर) ठीक-ठाक हैं।

देखा तेनु आकर्षक है, लेकिन संगीत चार्टबस्टर किस्म का नहीं है। अगर हो तुम और जुनून हैं को कहानी में अच्छी तरह से पिरोया गया है। रोया जब तू और तू है तो कुछ खास नहीं हैं।

जॉन स्टीवर्ट एडुरी का बैकग्राउंड स्कोर उत्साहजनक है। अनय ओम गोस्वामी की सिनेमैटोग्राफी उपयुक्त है। शरण्या मेनन का प्रोडक्शन डिजाइन यथार्थवादी है। अनाइता श्रॉफ अदजानिया और वर्षा-शिल्पा की वेशभूषा जीवन से बिल्कुल अलग है। नितिन बैद की एडिटिंग संतोषजनक है, लेकिन कुछ जगहों पर इसे और बेहतर बनाया जा सकता था।

कुल मिलाकर, मिस्टर एंड मिसेज माही एक अच्छी फिल्म है, जिसमें अभिनय, कथानक और ताली बजाने लायक इंटरवल प्वाइंट इसकी यूएसपी हैं। हालांकि, सेकेंड हाफ़ पूर्वानुमानित है और यह ऐसे समय में आता है जब दर्शक खेल फिल्मों से थक चुके हैं। फिर भी, सिनेमा प्रेमी दिवस की पेशकश के कारण यह अच्छी शुरुआत के लिए तैयार है। पॉजिटिव वर्ड ऑफ़ माउथ फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर आगे बढ़ने में मदद करेंगे।

फ़िल्ममेकर तिग्मांशु धूलिया के साथ भारत के पहले दलित क्रिकेटर पलवंकर बालू की बायोपिक फ़िल्म बना रहे हैं अजय देवगन

इसी साल अप्रैल में रिलीज हुई अजय देवगन की स्पोर्ट्स ड्रामा बायोपिक फ़िल्म मैदान, को भले ही बॉक्स ऑफिस पर मिक्स रिस्पांस मिला हो लेकिन बार फिर अजय देवगन एक और स्पोर्ट्स पर बेस्ड बायोपिक फ़िल्म से जुड़ गए हैं । अजय देवगन की ये फ़िल्म क्रिकेट पर बेस्ड है जो की एक बायोपिक फ़िल्म है ।अजय देवगन, फ़िल्ममेकर तिग्मांशु धूलिया के साथ भारत के पहले दलित क्रिकेटर पलवंकर बालू की ज़िंदगी पर बेस्ड फ़िल्म बनाने जा रहे हैं । इस खबर का खुलासा फिल्म निर्माता प्रीति सिन्हा ने एक ट्वीट के ज़रिए किया है । रिपोर्ट्स के मुताबिक़, अजय देवगन क्रिकेटर पलवंकर बालू पर बेस्ड बायोपिक फ़िल्म को प्रोड्यूस तो कर रहे हैं लेकिन इसमें एक्टिंग करेंगे या नहीं ये अभी तक कन्फर्म नहीं हुआ है । कहा जा रहा है कि इसमें देश के पहले दलित क्रिकेटर पालवंकर बालू और उनके भाइयों की कहानी को दिखाया जाएगा । ये मूवी इतिहासकार और फिल्म स्क्रिप्टराइटर रामचंद्र गुहा की किताब 'ए कॉर्नर ऑफ ए फॉरेन फील्ड' पर आधारित होगी । और इसकी जानकारी खुद लेखक ने दी है । रामचंद्र गुहा ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए लिखा, मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि रील लाइफ एंटरटेनमेंट ने मेरी किताब के राइट्स खरीद लिए हैं, जो दलित क्रिकेटर पालवंकर बालू और उनके भाइयों के बारे में लिखी है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि इस प्रोजेक्ट को तिग्मांशु धूलिया लीड करेंगे । इस पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए प्रोड्यूसर प्रीति सिन्हा ने जानकारी दी कि तिग्मांशु धूलिया और अजय देवगन इस मूवी में बतौर प्रोड्यूसर जुड़ेंगे । बता दें कि बालू पालवंकर का जन्म 1876 में ब्रिटिश सरकार के शासित बॉम्बे प्रेसिडेंसी में हुआ था । इन्होंने अंग्रेजों के इस्तेमाल किए गए बैट और बॉल से क्रिकेट खेला था । उनके तीनों भाई शिवराम, विट्ठल और गणपल भी इसी फील्ड में थे ।

विक्की, कार्तिक और वरुण समेत कई एक्टर्स अपनी इन एक्शन-पैक्ड ड्रामा से एक्शन को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने के लिए तैयार

एक्शन न केवल दर्शकों बल्कि स्टार्स की भी पसंदीदा शैली रही है ।

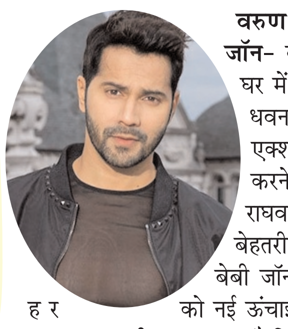

हर स्टार अपनी फ़िल्म में एक्शन को एक नए लेवल पर ले जाने के लिए उत्सुक रहता है । बॉलीवुड में जब-जब एक्शन की बात आती है तो अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, सलमान खान जैसे कलाकारों के नाम आते हैं । लेकिन अब बॉलीवुड में कुछ ऐसे भी एक्टर्स हैं जो एक्शन को एक नए लेवल पर पहुँचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं । और इन स्टार्स में शामिल हैं- वरुण धवन, कार्तिक आर्यन, विक्की कौशल, राघव जुयाल,पावेल गुलाटी और सिद्धांत चतुर्वेदी ।

वरुण धवन - बेबी जॉन- बॉलीवुड में घर-घर में मशहूर नाम वरुण धवन बेबी जॉन से अपने एक्शन करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित, जो अपनी बेहतरीन थ्रिलर के लिए जाने जाते हैं, बेबी जॉन से वरुण की अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद है। अफवाह है कि यह फिल्म एक गंभीर, एक्शन ड्रामा है, जहां वरुण अपराध और जासूसी के जाल में फंसे एक अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी पिछली भूमिकाओं में उनकी एक्शन क्षमता की झलक दिखाई गई है, लेकिन बेबी जॉन इस शैली में उनका पहला पूर्ण एक्शन ड्रामा होने का वादा करता है।

कार्तिक आर्यन - अनटाइटल विशाल भारद्वाज प्रोजेक्ट- अपनी रोमांटिक कॉमेडी के लिए मशहूर कार्तिक आर्यन एक अनाम एक्शन फिल्म के लिए प्रसिद्ध निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। गहन और स्तरित कथाओं को गढ़ने में भारद्वाज की विशेषज्ञता कार्तिक के एक्शन डेब्यू के लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करेगी। उम्मीद है कि फिल्म में भारद्वाज की विशिष्ट कहानी को उच्च ऊर्जा वाले एक्शन दृश्यों के साथ मिश्रित किया जाएगा, जिसमें कार्तिक को एक नए और कठोर अवतार में दिखाया जाएगा। यह जोड़ी एक गेम-चेंजर साबित होगा, जिसमें कार्तिक एक ऐसी भूमिका निभाएगा जो भौतिकता और नाटकीय तीव्रता की मांग करती है।

विक्की कौशल - छावा- अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विक्की कौशल छावा के साथ एक्शन शैली में अपनी पहचान बना रहे हैं। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक ऐतिहासिक महाकाव्य है जो छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। छावा में विक्की को एक शारीरिक रूप से कठिन भूमिका में देखा जाएगा, जिसके लिए तलवारबाजी और घुड़सवारी में कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। उनके पिछले प्रदर्शनों ने गहन भूमिकाओं को संभालने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन किया है, और छावा एक जबरदस्त एक्शन स्टार के रूप में उनकी स्थिति को मज़बूत करने के लिए तैयार है।

सिद्धांत चतुर्वेदी - युधरा- गली बॉय में अपनी भूमिका से प्रसिद्धि पाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब युधरा के साथ एक्शन जोनर में कदम रख रहे हैं। रवि उदयावर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म अपने तीव्र एक्शन दृश्यों के लिए जिसमे मुख्य किरदार में सिद्धांत के साथ एक ज़बरदस्त एक्शन फिल्म होने का वादा करती है। कहानी एक युवा व्यक्ति की शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ लड़ाई, मार्शल आर्ट और दिल दहला देने वाले स्टंट के मिश्रण के इर्द-गिर्द घूमती है। सिद्धांत का करिश्मा और अपनी भूमिकाओं के प्रति समर्पण बताता है कि युधरा उनके बढ़ते करियर में एक प्रमुख आकर्षण होगी।

पावेल गुलाटी- देवा- फ़ैमिली ड्रामा में अपने सम्मोहक अभिनय के लिए जाने जाने वाले पावेल गुलाटी देवा के साथ एक्शन जोनर में एक साहसिक छलांग लगा रहे हैं। फिल्म उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का वादा करती है क्योंकि वह एक उग्र और अथक नायक की भूमिका में कदम रख रहे हैं। प्रशंसित फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित, देवा मुंबई के गंभीर अंडरवर्ल्ड पर आधारित है, जिसमें एक मनोरंजक कहानी के साथ ज़बरदस्त एक्शन दृश्यों का मिश्रण है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कन्याकुमारी में पीएम मोदी की साधना खत्म

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान साधना कन्याकुमारी में समाप्त हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवेकानंद रॉक मेमोरियल में , उसी जगह पर ध्यान लगाया था, जहां स्वामी विवेकानंद ने साधना की थी। आज सुबह सूर्योदय के समय 'सूर्य अर्घ्य' देने के बाद पीएम मोदी ने तीसरे और अंतिम दिन अपनी ध्यान साधना शुरू की थी और दोपहर को समाप्त किया। 'सूर्य अर्घ्य' आध्यात्मिक अभ्यास से जुड़ी एक परंपरा है, जिसमें भगवान सूर्य को जल अर्पित कर उन्हें नमन किया जाता है। प्रधानमंत्री ने एक लोटे से समुद्र में सूर्य को जल अर्पित किया और माला जपी। मोदी भगवा वस्त्र पहने हुए थे और उन्होंने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। वह अपने हाथों में 'जाप माला' लेकर मंडपम के चारों ओर चक्कर लगाते दिखे। कन्याकुमारी सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्यों के लिए मशहूर है और मेमोरियल तट के पास एक छोटे-से टापू पर स्थित है।

बनारस में कांग्रेस के दो पार्षदों को किया नजरबंद : अजय राय

वाराणसी। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भीषण गर्मी के बीच जमकर मतदान हुआ। जिला प्रशासन के ओर से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के दावे के बीच इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने जैतपुरा क्षेत्र के दो कांग्रेसी पार्षदों को जबरन उनके घर में ही नजरबंद कर दिया है। जानकारी के अनुसार जैतपुरा क्षेत्र के सादुल्लापुरा के पार्षद गुलशन अली व कमालपुरा पार्षद रमजान अली को पुलिस प्रशासन ने घर में नजरबंद कर लिया है। इसकी सूचना मिलते ही कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय फौरन जैतपुरा पहुंचे, जहां उनकी दोनों पार्षदों के आवास पर मौजूद पुलिसकर्मियों से बातचीत हुई। जैतपुरा से पोलिंग बूथ पर चक्रमण के लिए निकल रहे अजय राय ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा, बनारस में मोदी की हार के डर से योगी की पुलिस कांग्रेस नेताओं को उनके घर में नजरबंद कर रही है ताकि वो अपने इलाकों में हो रही वोटिंग को न देख सकें।

अमित शाह के वार पर कांग्रेस का पलटवार

नईदिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को एग्जिट पोल बहस का बहिष्कार करने के सबसे पुरानी पार्टी के फैसले पर अपनी टिप्पणी पर गृह मंत्री अमित शाह पर जवाबी हमला किया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, खेड़ा ने लिखा कि अमित शाह जी यहां सौदा है। आप पहली तारीख को जश्न मनाएं। हम 4 तारीख को जश्न मनाएंगे। शुक्रवार को, खेड़ा ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एग्जिट पोल पर बहस में भाग नहीं लेगी, उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने अपना वोट डाल दिया है और उनका फैसला सुरक्षित हो गया है। खेड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने अपना मत दे दिया है एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। चार जून को परिणाम सबके सामने होंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नज़रों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगा कर घमासान में भाग ले कर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है।

कर्नाटक के सीएम-डिप्टी सीएम को मानहानि केस में जमानत

बेंगलुरु। कर्नाटक की एक अदालत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मानहानि के मामले में जमानत दे दी। दरअसल, भाजपा ने सीएम और डिप्टी सीएम के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई और पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ झूठे विज्ञापन देने का आरोप लगाया था। सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार शनिवार को व्यक्तिगत रूप से 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुए। भाजपा एमएलसी केशव प्रसाद ने सीएम सिद्धारमैया, शिवकुमार और राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया था। जमानत मिलने के बाद सीएम सिद्धारमैया ने कहा, मैं कानूनी अभिभावक के रूप में न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित हुआ। मुझे जमानत दे दी गई। मेरे, शिवकुमार और राहुल गांधी के खिलाफ निजी शिकायत दर्ज की गई थी। राहुल गांधी भी अदालत के समक्ष पेश होंगे।

बंगाल में ईवीएम और वीवीपैट मशीन को तालाब में फेंका

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण के बीच, शनिवार सुबह पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के कुलताई में बूथ नंबर 40 और 41 पर भीड़ ने ईवीएम और वीवीपैट मशीन को तालाब में फेंक दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए, मुख्य निर्वाचन कार्यालय, पश्चिम बंगाल ने कहा कि सेक्टर अधिकारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है। एक एक्स पोस्ट में, सीईओ पश्चिम बंगाल ने कहा, आज सुबह 6.40 बजे 19-जयनगर (एससी) पीसी के 129-कुलताली एसी में बेनीमाधवपुर एफपी स्कूल के पास सेक्टर अधिकारी के रिजर्व ईवीएम और कागजात स्थानीय भीड़ द्वारा लूट लिए गए और 1 सीयू, 1 बीयू, 2 वीवीपीएटी मशीनों को एक तालाब के अंदर फेंक दिया गया। सीईओ ने आगे कहा कि सेक्टर के अंतर्गत आने वाले सभी छह बूथों पर मतदान प्रक्रिया निर्बाध रूप से चल रही है।

सातवें चरण के मतदान के बीच बोले राहुल गांधी

4 जून को बनने जा रही इंडिया ब्लॉक की सरकार

नईदिल्ली। जैसे ही देश मतदान के अंतिम चरण में पहुंच रहा है, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण की घोषणा करते हुए कहा कि 4 जून को इंडिया ब्लॉक सरकार बनने जा रही है। गांधी ने एक्स पर एक ट्वीट में कहा, प्रिय साथी नागरिकों, आज सातवें और अंतिम चरण के लिए मतदान का दिन है और अब तक के रुझान से संकेत मिलता है कि देश में भारत सरकार बनने जा रही है। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे गर्व है कि झुलसा देने वाली गर्मी में भी आप सभी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए वोट देने निकले हैं।

राहुल ने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में बाहर निकल कर अहंकार और अत्याचार का प्रतीक बन चुकी इस सरकार पर अपने वोट से 'अंतिम प्रहार' ज़रूर कीजिए। 4 जून का सूरज देश में एक नया सवेरा लेकर आने जा रहा है।

इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि इंडिया ब्लॉक की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने का भी आग्रह किया। प्रियंका गांधी ने कहा, प्रिय बहनों और भाइयों, आज चुनाव का अंतिम चरण है और यह स्पष्ट हो गया है कि भारत की सरकार बनने जा रही है। आपकी अधिकतम भागीदारी भारत को और भी मजबूत बनाएगी।

सातवां चरण दुनिया के सबसे बड़े मतदान मैराथन के भव्य समापन का प्रतीक है जो पिछले महीने की 19 तारीख को शुरू हुआ था और पहले ही छह चरणों और 486 लोकसभा सीटों को कवर कर चुका है। सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के 57 संसदीय क्षेत्रों में आज सुबह 7 बजे मतदान शुरू हो गया। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, लगभग 5.24 करोड़ पुरुष, 4.82 करोड़ महिला और 3574 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित 10.06 करोड़ से अधिक मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करने की उम्मीद है।

खड़गे ने राहुल को बताया पीएम पद के लिए अपनी पसंद तो भाजपा ने कसा तंज

नईदिल्ली। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के राहुल गांधी मेरी पसंद के प्रधानमंत्री वाले बयान पर भाजपा ने तंज कसा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे की पसंद जो भी हो (इंडिया अलायंस के पीएम चेहरे के लिए), सवाल यह है कि क्या वह जनता की पसंद है? उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस या इंडिया गठबंधन किसी को भी सत्ता में आने का मौका नहीं देने वाली है। पूनावाला ने कहा कि जब मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पसंद बताई तो क्या उन्होंने ममता बनर्जी या अरविंद केजरीवाल से पूछा?

दिल्ली में होने वाली इंडिया ब्लॉक मीटिंग पर शहजाद पूनावाला ने कहा कि आखिरी चरण में इंडिया गठबंधन अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। आज की बैठक में ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। जो लोग दिल्ली में दोस्ती निभा रहे थे, वे पंजाब में दुश्मन बन रहे हैं। खड़गे ने शुक्रवार को कहा

कि अगर इंडिया ब्लॉक गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतता है तो अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए राहुल गांधी उनकी पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वह युवाओं और पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। खड़गे ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री बनने के लिए राहुल गांधी मेरी पसंद हैं। वह मेरी पसंद हैं और वह देश के युवाओं और लंबाई-चौड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। सात चरण के लोकसभा चुनाव के तहत अंतिम चरण का मतदान शनिवार को होगा। 4 जून को नतीजे आएंगे।

हालांकि, कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने फैसला किया है कि वे एक साथ लड़ रहे हैं, और जीतने के बाद, गठबंधन संयुक्त रूप से तय करेगा कि पीएम कौन होगा। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि वह भी पीएम पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपना (स्वयं का) नाम कैसे प्रस्तावित कर सकता हूँ? पार्टी फैसला लेगी। गठबंधन दलों ने भले ही मेरा नाम लिया हो, लेकिन हमारी पार्टी में, हम (एक साथ) बैठेंगे और फैसला करेंगे... 2004 या 2009 जैसी एक प्रक्रिया है।

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का मतदान शनिवार को हुआ। इस चरण के लिए आठ राज्यों की 57 सीटों पर मतदाता अपने मताधिकार का किया। इस चरण में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अनुराग ठाकुर समेत कई नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भीषण गर्मी के बीच मतदाताओं ने लाइन में खड़े होकर मतदान किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विलासपुर के विजयपुर में अपना वोट डाला। इस दौरान उनके परिवार वाले भी उनके साथ थे।

आज आएंगे अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव के परिणाम

नईदिल्ली। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनावों के लिए वोटों की गिनती 2 जून को होगी। 60 विधानसभा सीटों वाले अरुणाचल प्रदेश और 32 सीटों वाले सिक्किम में 19 अप्रैल को मतदान होगा। आंध्र प्रदेश और ओडिशा विधानसभाओं के लिए वोटों की गिनती लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के साथ 4 जून को होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पार्टी अरुणाचल प्रदेश में दो मुख्य राजनीतिक दल हैं। हालाँकि, भाजपा ने राज्य की सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे।

नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) राज्य की दो अन्य महत्वपूर्ण पार्टियां हैं। भाजपा पहले ही बोमडिला, चौखम, ह्युलियांग, ईटानगर, मुक्तो, रोइंग, सागली, ताली, तालिहा और जीरो-हापोली सहित 10 सीटें बिना किसी प्रतियोगिता के जीत चुकी है। सिक्किम में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के बीच है। राज्य में भाजपा और कांग्रेस अन्य दो महत्वपूर्ण दल हैं।

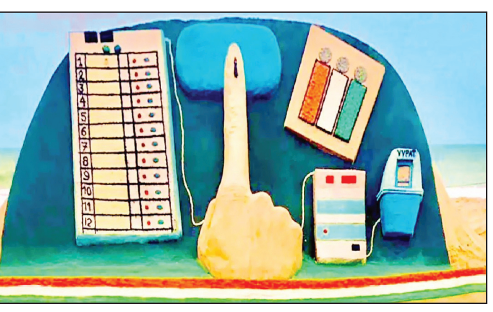

अरुणाचल प्रदेश में प्रमुख उम्मीदवार

मुख्यमंत्री पेमा खांडू (भाजपा- पहले ही जीत चुके हैं), उप मुख्यमंत्री चौना मीन (भाजपा- पहले ही जीत चुके हैं), बियूराम वाहगे (भाजपा), निनॉन्ग एरिंग (भाजपा), कारिखो क्रि (एनपीपी), पानी ताराम (भाजपा), कुमार वली (कांग्रेस), कामलुंग मोसांग (भाजपा), वांग्की लोवांग (भाजपा), होनचुन नगांडम (भाजपा), पासांग दोरजी सोना (भाजपा), जम्पा थर्नली कुन्खाप (कांग्रेस) और नबाम ताडो (कांग्रेस) कुछ प्रमुख उम्मीदवार हैं।

सिक्किम में प्रमुख उम्मीदवार

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (एसकेएम), पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग (एसडीएफ), बाईचुंग भूटिया (एसडीएफ), सोनम लामा (एसकेएम), सोनम ग्यात्सो लेप्चा (एसडीएफ), हिशे लाचुंगपा (एसडीएफ), दिली राम थापा (बीजेपी), नरेंद्र कुमार सुब्बा (बीजेपी), लाल बहादुर दास (एसकेएम), संजीत खरेल (एसकेएम), लोक नाथ शर्मा (एसकेएम) और अरुण कुमार उप्रेती (एसकेएम) सिक्किम में कुछ प्रमुख उम्मीदवार हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

आईपीएल के तुरंत बाद टी20 विश्व कप में भारत का प्रदर्शन खराब

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप का नौवां संस्करण है और सभी टीमें इसके लिए तैयार हैं। यह सबसे बड़ा टी20 विश्व कप होगा, क्योंकि इसमें 20 टीमें हिस्सा ले रही है। भारत को ग्रुप-ए में आयरलैंड, पाकिस्तान, यूएसए और कनाडा के साथ रखा गया है। टीम इंडिया पर सभी की नजरें हैं क्योंकि रोहित शर्मा की अगुआई में यह टीम 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने उतरेगी। हालांकि, भारतीय टीम के लिए यह सफर आसान नहीं रहने वाला है। सबसे बड़ी बात यह है कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में आईपीएल के ठीक बाद उतरी है और पहले जब भी ऐसा हुआ है, तब-तब भारत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है।

भारतीय टीम ने आईपीएल के तुरंत बाद तीन बार टी20 विश्व कप खेला है और तीनों बार टीम सेमीफाइनल या नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने में कामयाब नहीं हो सकी है। 2009 में भारत आईपीएल के 12 दिन बाद टी20 विश्व कप खेलने उतरा था और सुपर आठ राउंड से ही बाहर हो गया था। वहीं, 2010 में टीम आईपीएल खत्म होने के पांच दिन बाद टी20 विश्व कप खेलने पहुंची थी और तब भी सुपर आठ राउंड में हारकर बाहर हो गई थी। 2021 में भारतीय टीम आईपीएल खत्म होने के आठ दिन बाद टी20 विश्व कप खेलने उतरी थी और ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी थी। तब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमों से भारत को शिकस्त झेलनी पड़ी थी। हालांकि, आईपीएल के तुरंत बाद कोई आईसीसी वनडे टूर्नामेंट खेलना टीम इंडिया के लिए फायदेमंद रहा है। 2008 से लेकर अब तक आईपीएल खत्म होने के तुरंत बाद भारतीय टीम ने तीन आईसीसी वनडे टूर्नामेंट खेले हैं और तीनों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। वहीं, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम फाइनल में पहुंची थी। 2019 वनडे विश्व कप में भारत सेमीफाइनल में हारकर बाहर हुई थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में बड़ी कटौती, नई दरें लागू

नईदिल्ली। भारत सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर अप्रत्याशित कर को 5,700 रुपये से घटाकर 5,200 (.62.33) प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। नई दरें 1 जून 2024 से प्रभावी हो गई हैं। सरकार ने इसको लेकर 31 मई को एक नोटिफिकेशन जारी की। सरकार हर दो हफ्ते पर विंडफॉल टैक्स में बदलाव करती है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर SAED को शून्य पर बरकरार रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों में गिरावट के मद्देनजर ऐसा किया गया है। तेल विपणन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में विमान ईंधन की कीमत 6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर (6.5 प्रतिशत) घटकर 94,969.01 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। इससे पहले एक मई को इसकी कीमत में 749.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की गई थी।

सुरक्षा ग्रुप अगले हफ्ते कर सकता है जेपी इन्फ्रा को टेकओवर

नई दिल्ली। कई साल से अपने घर का सपना देख रहे जेपी इन्फाटेक के हजारों होमबायर्स के लिए अच्छी खबर है। मुंबई का सुरक्षा ग्रुप अगले सप्ताह एक बैठक के बाद कर्ज में डूबी इस कंपनी का अधिग्रहण कर सकता है। जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड के लिए सुरक्षा ग्रुप की समाधान योजना को पिछले हफ्ते एनसीएलएटी ने मंजूरी दे दी थी। इससे जेपी इन्फ्राटेक की नोएडा के विश टाउन और अन्य स्थानों पर रुके प्रोजेक्ट्स पर फिर से निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। इससे 15-20 साल पहले जेपी इन्फ्रा के प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले 20,000 खरीदारों की फ्लैट पाने की उम्मीदें फिर से जगी है। अब तक जेपी इन्फ्राटेक के दैनिक कामकाज का प्रबंधन एक कार्यान्वयन और निगरानी समिति कर रही है। एनसीएलटी द्वारा गठित इस समिति में सुरक्षा, जेआईएल, घर खरीदने वाले और एक आईआरपी के अधिकारी शामिल हैं।

कम हुए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम

नईदिल्ली। 1 जून को एलपीजी सिलेंडर के दामों में कटौती की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कमी लेकर आई है। आईआईसीएल की वेबसाइट के अनुसार 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में गिरावट आई है। यह गिरावट दिल्ली मुंबई समेत कई शहरों में देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव किया है। गैस सिलेंडर के दाम 1 जून से दिल्ली में 69.50 रुपए, कोलकाता में 72 रुपए मुंबई में 69.50 रुपए और चेन्नई में 70.50 रुपए तक नीचे गिर गए हैं। लगातार तीसरा महीना है जब कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में कटौती की गई है। इससे पहले अप्रैल और मैं में भी कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कम किए गए थे। मैं के महीने में तेल मार्केटिंग कंपनी ने 20 रुपए तक सिलेंडर के दाम घटाए थे।

बाजार को अफवाहों से अप्रभावित रखने की पहल

नई दिल्ली। शनिवार से बाजार पूंजीकरण के अनुसार देश की शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों को मुख्यधारा की मीडिया में रिपोर्ट की गई बाजार से जुड़ी अफवाहों की पुष्टि या खंडन करना होगा। यह आदेश एक दिसंबर से शीर्ष 250 कंपनियों पर भी लागू हो जाएगा। सेबी के नए नियम के तहत, शनिवार से शीर्ष 100 कंपनियों को मुख्यधारा के मीडिया में रिपोर्ट की गई किसी भी घटना या जानकारी की पुष्टि करनी होगी, उनका खंडन करना होगा या उन खबरों पर स्पष्टीकरण देना होगा जो प्रकृति में सामान्य नहीं हैं। सेबी के अफवाह सत्यापन ढांचे का उद्देश्य सभी निवेशकों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए कॉर्पोरेट कार्यों के लिए औसत बाजार मूल्य गणना से मूल्य अस्थिरता को बाहर करना है। बाजार की अफवाहें स्टॉक की कीमतों में महत्वपूर्ण अस्थिरता का कारण बन सकती हैं।

अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत, नए निजाम में स्थिरता से बढ़ोत्तरी की उम्मीद

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों और विभिन्न बाजार विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के जो शुभ संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं, उन्हें चार जून के बाद नई स्थिर सरकार से आर्थिक पंख लग जाएंगे। ऐसे मजबूत आर्थिक परिदृश्य की संभावनाओं के तीन महत्वपूर्ण कारण गिनाए जा रहे हैं। एक भारत के वित्तीय और गैर वित्तीय क्षेत्रों के दमदार बही-खाते। दो रिजर्व बैंक के द्वारा भारत सरकार को दिया गया रिकॉर्ड लाभांश और तीन शेयर बाजार की रिकॉर्ड ऊंचाई।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने 6.6 प्रतिशत विकास दर रहने का अनुमान व्यक्त किया है। एशियाई विकास आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, विकास दर 7 प्रतिशत रह सकती है। देश के प्रमुख अर्थ विशेषज्ञों का मत है कि जहां पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर सात प्रतिशत से अधिक है, वहीं यह आगामी दशक तक 6.5 से सात प्रतिशत के स्तर पर दिखाई देगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारत में वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.7 फीसदी बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 में जीएसटी उच्चतम स्तर पर रहा है। इसका आकार 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 फीसदी अधिक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 22 मई को वित्त वर्ष 2023-24 में भारत सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये लाभांश देने की मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों

के लाभांश से 1.02 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान लगाया था। ऐसे में 'रिजर्व बैंक द्वारा दिया जाने वाला लाभांश बजट अनुमान की तुलना में 107 फीसदी ज्यादा है। यह एक तरह से सरकार के लिए मौजूदा वित्त वर्ष में 1.09 लाख करोड़ रुपये के अप्रत्याशित लाभ जैसा है। साथ ही पिछले साल के 87,416 करोड़ रुपये लाभांश की तुलना में 142 फीसदी ज्यादा है।

उल्लेखनीय है कि बिमल जालान समिति की सिफारिश के अनुसार, नया आर्थिक पूंजी ढांचा लागू होने के बाद 2018-19 में केंद्रीय बैंक ने सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपये अधिशेष दिया था। जालान समिति ने यह पता लगाया कि रिजर्व बैंक से सरकार को कितना अधिशेष मिलना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने आकस्मिक जोखिम बफर बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। जालान समिति ने इसे आरबीआई की बैलेंस शीट के 5.5 से 6.5 फीसदी के दायरे में रखने का प्रस्ताव दिया था। रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को रिकॉर्ड लाभांश दिए जाने के निर्णय और वैश्विक आर्थिक संगठनों व वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा वर्ष 2024-25 में भारत की ऊंची विकास दर के अनुमानों के बाद भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचने के साथ ही भारत इस मुकाम तक पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश बन गया है।

पिछले 10 साल में डीमेट अकाउंट 2.3 करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ हो गए हैं और म्यूचुअल फंड-निवेशकों की संख्या एक करोड़ से बढ़कर 4.5 करोड़ हो गई है। स्थिति यह है कि पिछले 10 साल में शेयर बाजार कहां से कहां पहुंच गया है, जो सेंसेक्स 25,000 अंकों पर था, वह अब आज 75,000 अंक से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। लाखों छोटे निवेशक आज उत्साहपूर्वक बाजार से जुड़े हैं। भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है और वैश्विक निवेशकों का भरोसा भी भारत के शेयर बाजार पर बढ़ा है। अब ऐसी आर्थिक मजबूती से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि होगी। इससे भारत में कारोबारी माहौल में सुधार होगा। एफडीआई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विदेशी निवेशक तकनीकी विशेषज्ञता भी लाते हैं।

एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त पर सीएम साय बोले

पूरा देश चाहता है कि मोदी जी तीसरी बार सरकार की बागडोर संभालें

रायपुर। देश में लोकसभा चुनाव के सभी चरणों के मतदान संपन्न होने पर समाचार चैनलों द्वारा जारी किए गए एग्जिट पोल में एनडीए को बढ़त मिलते दिखाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। श्री साय ने कहा है कि - प्रारंभ से ही लग रहा था कि पूरे देश का आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को मिलेगा। पूरा देश चाहता है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार सरकार की बागडोर संभालें। पूरे देश में वातावरण अच्छा था छत्तीसगढ़ में भी सभी ग्यारह सीटें हम जीतने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री होने के नाते मैं भी कई प्रदेशों में प्रचार करने गया हूँ, सभी जगह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में बहुत अच्छा वातावरण था और आज जब एग्जिट पोल में भी एनडीए की बढ़त दिखा रहे हैं, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। जिस तरीके से पिछले विधानसभा के चुनाव में जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास करके भारतीय जनता पार्टी को सरकार में बैठाया और उसके मात्र सौ दिन बाद ही मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम हमारी सरकार ने किया है। छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास मोदी जी के साथ तो था ही, साथ ही हमारी सरकार के कार्यों से भी जनता का विश्वास बढ़ा है। 4 जून तक इंतजार करिए जनता सभी ग्यारह सीटें भाजपा को देने जा रही है।

जीतेंगे छत्तीसगढ़ की सभी ग्यारह सीटें- साय

देश में आज लोकसभा चुनाव के अंतर्गत अंतिम चरण का मतदान संपन्न हुआ। कुल सात चरणों में हुए चुनावों में देश की 542 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गए हैं। जिसके नतीजे आगामी 4 जून को आएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पत्रकारों संग चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ की सभी ग्यारह सीटें जीतने और फिर एक बार मोदी सरकार बनने का दावा किया है। सीएम साय 400 पार के लक्ष्य को अचीव करने के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त हैं। श्री साय ने कहा कि - मुख्यमंत्री होने के नाते मेरा छत्तीसगढ़ के अलावा और दूसरे प्रदेशों में जाना हुआ है। मैं ओडिशा, झारखंड, मध्यप्रदेश भी गया। सभी जगह भाजपा के पक्ष में बहुत अच्छा वातावरण है। सभी लोग तीसरी बार आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। मेरा पूरा विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में हम लोग सभी 11 सीटें भारतीय जनता पार्टी को जिताकर दे रहे हैं। हमारी पार्टी और एनडीए गठबंधन का अब की बार चार सौ पार का जो नारा है, इसको हम निश्चित रूप से अचीव करेंगे।

एग्जिट पोल में एनडीए को बहुमत मिलने पर बोले- किरण देव

देश और छत्तीसगढ़ की जनता को नमन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने मतदान पश्चात (एक्जिट पोल) के सामने आए अनुमानों को भाजपा के लिए उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये अनुमान इस बात के प्रमाण हैं कि भाजपा ने भारत और विशेषकर छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन के निर्णय का धरातल पर रहकर सटीक आँकलन किया है। श्री देव ने कहा कि भाजपा अपने लक्ष्य अबकी बार 400 पार को हासिल करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की एक सशक्त सरकार के साथ सत्ता में लौटेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि एक्जिट पोल के ये आँकड़े इस बात की तस्दीक भी कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास% के अपने उद्घोषमें निहित सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ काम किया है और इसलिए एंटी इन्कम्बेंसी जैसे मिथक को प्रो-इन्कम्बेंसी में तब्दील होते देखना भारतीय राजनीति में एक सुखद संकेत है। श्री देव ने कहा कि एक्जिट पोल के अनुमानों से परे जाकर भाजपा-एनडीए को ऐतिहासिक बहुमत के साथ जनता जनार्दन सत्ता सौंप रही है, इसमें कोई संदेह नहीं है। इससे पहले पिछले दो लोकसभा चुनावों में भी भाजपा-एनडीए के लिए एक्जिट पोल के जो आँकड़े सामने दर्शाए गए थे, भाजपा ने उन अनुमानों से परे जाकर न केवल 2014 में अकेले 282 सीटों पर जीत हासिल की थी, अपितु 2019 के चुनाव में एक्जिट पोल के आँकड़े को झुठलाकर 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। उन दोनों चुनावों में एनडीए को क्रमशः 336 और 353 सीटें मिली थीं। 2023 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के एक्जिट पोल के आँकड़ों के विपरीत भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसलिए हमारा यह अटूट विश्वास है कि भाजपा-एनडीए इन चुनावों में 400 पार के अपने लक्ष्य को आसानी से हासिल करने जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने छत्तीसगढ़ के सभी 11 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर, काँकेर, राजनांदगाँव, महासमुंद, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चाँपा और सरगुजा लोकसभा की जनता-जनार्दन ने पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में भारी संख्या में जो स्वस्फूर्त मतदान किया है, उससे भाजपा का यह विश्वास फलीभूत होने जा रहा है कि प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो रहा है। श्री देव ने कहा कि देश की जो जनभावना प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ जुड़ी है, मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन का जो अटूट विश्वास स्थापित हुआ है, वह अभूतपूर्व है और इसीलिए हम जन सहयोग से छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर विजय प्राप्त करेंगे, यह तय है। छत्तीसगढ़ के भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत, कार्यकुशलता, प्रबंधन क्षमता अद्भुत है। इसकी चर्चा सभी जगह होती है। न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि अन्य राज्यों में प्रचार के लिए जब छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ता गए तो झारखंड और ओड़िशा के नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही। भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के पुरुषार्थ के बल पर भाजपा का राजनीतिक पराक्रम छत्तीसगढ़ में 4 जून को दृष्टिगत होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में सम्पन्न तीनों चरणों के मतदान के रूझान से ही यह स्पष्ट हो गया था कि प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ भाजपा के पक्ष में अभूतपूर्व जनसमर्थन जुटाया और भाजपा की ऐतिहासिक जीत की पटकथा लिखी है और छत्तीसगढ़ की सभी सीटों पर भाजपा प्रचंड मतों से विजयी होगी। भ्रष्टाचार, कांग्रेस के छलावों, झूठ और दंभपूर्ण अमर्यादित टिप्पणियों के दंश से आक्रोशित छत्तीसगढ़ की जनता ने अब छत्तीसगढ़ को कांग्रेसमुक्त राज्य बनाने के अभियान पर पक्की मुहर लगाई है, जो 4 जून को प्रदेश देखने जा रहा है। प्रदेश की जनता ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ जुड़कर भाजपा के पक्ष में जो मतदान किया था, उसकी तस्दीक एक्जिट पोल के आँकड़े भी कर रहे हैं। यह स्पष्ट है कि देश और प्रदेश एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री मोदी के सशक्त व सक्षम नेतृत्व में, दृढ़ राजनीतिक इच्छा-शक्ति वाली सरकार के नेतृत्व में विकसित भारत - विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ कदमताल करने का ख्वाहिशमंद है।

छत्तीसगढ़ के लिए कारगर साबित होगा यह चिंतन शिविरः साय

रायपुर। नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे और अंतिम दिन भी छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों और देश के जाने-माने प्रबंधन विशेषज्ञों ने परिचर्चा की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी इस चिंतन शिविर में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री साय ने कहा कि- कल से लगातार विभिन्न विषयों पर सत्र चल रहा है। देश भर से विद्वानजनों का यहाँ पर आना हुआ एवं सभी ने अपने विचार रखे। छत्तीसगढ़ में खनिज और वन संपदा का भंडार है, यहाँ कि मिट्टी उर्वरा शक्ति से भरपूर है। गुड गवर्नेंस के माध्यम से हम हमारे प्रदेश को विकास की दृष्टि से बहुत आगे ले जा सकते हैं। प्रधानमंत्री जी का 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प है, जिसमें छत्तीसगढ़ को भी हमें विकसित प्रदेश बनाना है। यहाँ जो विद्वानजन आये हैं, उन्होंने आज छत्तीसगढ़ की स्थिति क्या है और इसे आगे कैसे ले जा सकते हैं उस पर अपना वक्तव्य दिया। हम लोगों ने भी सबको सुना और समझा है। ये चिंतन शिविर विकसित छत्तीसगढ़ के हमारे विजन में बहुत ही कारगर साबित होगा। चिंतन शिविर में उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा, उच्च शिक्षा एवं स्कूली शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने दूसरे दिन आईआईएम परिसर का मंत्रीगणों के साथ भ्रमण किया- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन आज अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने योगाभ्यास के बाद मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान परिसर स्थित स्पोर्ट्स कैम्पस (अखाड़ा), हॉस्टल मेस, फाउंडेशन स्टोन (आधारशिला , प्रशासनिक भवन (कर्मशीला , जैव विविधता के लिए निर्मित परिसर और क्रींस पैलेस का भ्रमण किया। उन्होंने क्रींस पैलेस से आईआईएम के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया। इस दौरान आईआईएम के प्रोफेसर सत्यशिबा दास और कॉरपोरेट रिलेशन ऑफिसर गिरिश पहाड़िया ने संस्थान के बारे में मुख्यमंत्री साय और मंत्रीगणों को जानकारी दी। संस्थान के अधिकारियों ने प्रशासनिक भवन में रखी हुई संस्थान की रेप्लिका के माध्यम से निर्माणाधीन संरचनाओं और भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

छग में विकास की प्रचुर संभावनाएंः कांत- सुशासन से रूपांतरण विषय पर नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी 20 के शेरपा अमिताभ कांत ने अपना संबोधन आईआईएम रायपुर में चिंतन शिविर के दूसरे दिन के सत्र में दिया। कांत ने कहा कि छत्तीसगढ में विकास की प्रचुर संभावनाएं हैं। यह देश के सबसे खनिज समृद्ध राज्यों में से है। यहां मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को तेजी से बढ़ावा दें तो बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे जरूरी आधारभूत बिंदु हैं इन पर बढ़िया काम कर तेज विकास लक्ष्य भी पाए जा सकते हैं और जनकल्याण की दिशा में बढ़ सकते हैं।

सुशासन और विकास को लेकर सरकार ने देश के जाने-माने विशेषज्ञों से किया विचार-विमर्श

विकसित छग का रोड मैप तैयार करने पर हुआ मंथन

रायपुर। शासन और प्रबंधन दो अलग-अलग शब्द हैं, दो अलग-अलग कार्य हैं, लेकिन एक-दूसरे से जुड़े हुए भी हैं। एक के हिस्से में नीति के निर्माण का दायित्व है, तो दूसरे के हिस्से में क्रियान्वयन की जिम्मेदारी। भारतीय लोकतांत्रिक ढांचे में नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने की जवाबदेही जहां शासन पर रही, वहीं प्रबंधन की बारीकियों से जनप्रतिनिधियों का आमतौर पर ज्यादा लेना-देना नहीं रहा। लेकिन हाल ही में छत्तीसगढ़ में कुछ ऐसा नया घटित हुआ कि अब इस विचित्र विडंबना का अंत होता दिख रहा है।

छत्तीसगढ़ के मंत्रियों को प्रबंधन की बारिकियां समझाने, सहयोग, नवाचार और दूरदर्शिता को बढ़ावा देने, राज्य के समृद्ध और समावेशी भविष्य के लिए आवश्यक सुधारों के बारे में विचार-विमर्श करने तथा विकास को लेकर जनप्रतिनिधियों की अंतर्दृष्टि को परिष्कृत करने के लिए बीते दो दिनों तक, यानी 31 मई से लेकर 01 जून तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रायपुर ने स्वयं के द्वारा डिजाइन किया गया एक अनूठा आयोजन किया। इस आयोजन को आईआईएम ने चिंतन-शिविर नाम देकर पारंपरिक आयोजनों का टच देते हुए एक बिलकुल नयी और ताजी परंपरा की शुरुआत कर दी। देश में संभवतः पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी चिंतन-शिविर में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने राजनीतिक रणनीति के बजाय दायित्वों के निर्वहन के लिए रणनीति पर गहन मंथन किया है।

देश का पहला अनूठा आयोजन

राज्य की विष्णु देव साय सरकार की पहल पर ही आईआईएम ने इस बौद्धिक अनुप्रयोग का आयोजन किया था। इसमें गुड गवर्नेंस से बेस्ट गवर्नेंस की ओर बढ़ने और सुशासन की संकल्पना को मूर्त रूप देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार के विजन को और तीक्ष्ण करने के संबंध में विषय-विशेषज्ञों से मंत्रियों ने विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और मंत्रिमंडल के उनके सहयोगियों ने सुशासन तथा बेस्ट प्रक्टिसेस के संबंध में विषय विशेषज्ञों के साथ अपने आइडियाज साझा किए। साथ ही अपनी जिज्ञासाएं भी रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी लगातार दो दिनों तक आईआईएम की कक्षा में न केवल उपस्थित रहे.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

बस में लगी आग यात्री सुरक्षित

रायपुर। जगदलपुर से सुबह यात्रियों के निकली बस में अभनपुर के पास एकाएक आग लग गई और देखते ही देखते पूरी बस जलकर खाक हो गई। बस में 30 यात्री सवार थे जो पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्राप्त समाचारों के अनुसार शनिवार की सुबह यात्रियों को लेकर जगदलपुर से रायपुर निकली महेन्द्रा ट्रेवल्स की बस में रायपुर-अभनपुर मुख्यमार्ग पर मोहन ढाबा के पास बस में आग लग गई, बस में 35 यात्री सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं। आग लगने के बाद बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। बस में आग लगने का कारण एसी का पाइप फटना का बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगते ही हड़कंप मच गया था। आसपास के लोग बचान के लिए दौड़े थे। जैसे ही बस में आग लगी सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। इस दौरान किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे।

बिजली के दामों में बढ़ोतरी जनता पर अत्याचारः कांग्रेस

रायपुर। बिजली के दामों में बढ़ोतरी जनता के ऊपर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग ने विद्युत के दामों में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दिया है, यह अनुचित है। भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण छत्तीसगढ़ का आम आदमी परेशान हो गया है। साय सरकार नागरिकों को हर तरफ से परेशान करने की नीयत से काम कर रही है। सरकार ने रजिस्ट्री छूट को समाप्त किया, ईवे बिल को समाप्त किया, अब बिजली बिल के दाम में बढ़ोतरी कर दिया गया। बिजली के दाम बढने से घरेलू के साथ-साथ उद्योगों और व्यवसायिक उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। उद्योगों को महंगी बिजली मिलेगी तो उनके उत्पादों का महंगा होना स्वाभाविक है। ऐसे में आम आदमी पर दोहरी मार पड़ेगी। भाजपा की नीयत कमीशनखोरी करना है, उसे आम आदमी की सहूलियतों से कुछ लेना देना नहीं है। शुक्ला ने कहा कि पिछले पांच माह में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो चार घंटे के लिये बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है। घंटो बिजली गोल हो जाती है। भाजपा से न सरकार संभल पा रहा और न ही व्यवस्थायें। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही.

फाईल सिस्टम में अव्यवस्था देखकर भड़के बोरा

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा है कि विभाग में प्रचलित फाईल मॉनिटरिंग सिस्टम में आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्यालय की फाईलों को ढूढने के संबंध में कोई उचित व्यवस्था ना होने से नस्तियों को ढूढने में काफी समय लगता है साथ ही यह व्यवस्था वर्तमान समय में अनुपयोगी भी है। उन्होंने इसमें सुधार के लिए इंडेक्स प्रणाली अपनाने पर जोर दिया जिसमें सभी नस्तियों की क्रमांकवार/विषयवार एंट्री की जाए, ताकि - कोई भी फाईल ढूंढ़ने में अनावश्यक विलंब से बचा जा सके। वे आज इंद्रावती भवन स्थित मुख्यालय के विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक से पूर्व बोरा ने मुख्यालय स्थित आदिम जाति विभाग के परिसर में घूमकर निरीक्षण किया। वहां पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से उनके कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने कार्य की परंपरागत पद्धति में आवश्यक सुधार करने के निर्देश मौके पर उपस्थित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में बहुत जल्द '' ई-ऑफिस'' कार्यप्रणाली शुरू होने वाली है।

दो उद्योगों का लाइसेंस निरस्त, 20 को नोटिस

रायपुर। प्रदेश के उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के निर्देश के बाद जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने तिफरा के दो गैर औद्योगिक इकाइयों के लाइसेंस को निरस्त कर दिया है. वहीं 20 बंद या गैर औद्योगिक गतिविधियों में संलग्न इकाइयों को नोटिस जारी किया है. तिफरा सिरगिट्टी और सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र से लगातार उद्योगपतियों द्वारा शासन से लीज पर जमीन लेकर गैर औद्योगिक कार्य किए जाने की शिकायत मिल रही थी. इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने उद्योग विभाग को सर्वे कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे. जिला व्यापार और उद्योग केन्द्र बिलासपुर के प्रबंधक एमएल कुशरे ने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से सिरगिट्टी और सिलपहरी के औद्योगिक क्षेत्र का सर्वे कराया. सर्वे के मुताबिक तिफरा में 135 सिरगिट्टी के चार सेक्टर में 433 समेत कुल 568 उद्योगपतियों को उद्योग संचालित करने जमीन दी गई है. मंत्री के निर्देश पर जब विभाग ने सर्वे कराया तो कई इकाइयां या तो बंद मिली या फिर गैर औद्योगिक कार्य होना पाया गया. जिला उद्योग विभाग ने तिफरा के पूजा इंडस्ट्रीज समेत दो उद्योगों की लाइसेंस को निरस्त किया है. वहीं 20 इकाइयों को चेतावनी दी गई है .

महात्मा गांधी के बारे में मोदी की राय शर्मनाकः बैज

रायपुर। निवृतमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में यह कहना कि गांधी फिल्म के बाद दुनिया ने गांधी जी को जाना बेहद आपत्तिजनक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी की यह टिप्पणी भारत के प्रधानमंत्री की जगहंसाई करने वाला है। नरेंद्र मोदी का गांधी के बारे में ज्ञान दुनिया के सामने भारत को शर्मसार करने वाला है। कैसे भारत का प्रधानमंत्री देश की आजादी के महानायक के बारे में ऐसी टिप्पणी कर सकता है। मोदी महात्मा गांधी के बारे में नहीं जानते तो यह उनका दुर्भाग्य है। महात्मा गांधी को सारी दुनिया जानती है। 80 से अधिक देशों में उनकी मूर्ति लगी है। दुनिया भर के 120 से अधिक देशों में विश्वविद्यालयों में गांधी के अहिंसा के दर्शन को पढ़ाया जाता है। बैज ने कहा कि गांधी शांति प्रेम के पुजारी थे। नरेंद्र मोदी सिर्फ नफरत की बातें करते है। वे सही में गांधी को नहीं जानते है। गांधी जी के बारे में दुनिया को बताने के लिये किसी फिल्म की जरूरत नहीं थी। गांधी जी पर फिल्में बना कर किताबें लिखकर मीमांसा लिखकर कथाकार अमर हो गये। गांधी जी जब आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे तब मोदी के दल के पूर्वज आजादी की लड़ाई का विरोध कर रहे थे। वे गांधी के खिलाफ अंग्रेजी शासन के पक्षकार बन कर घूम रहे थे, ऐसी विचारधारा का व्यक्ति गांधी जी को कमतर आंकता है तो यह उसका नहीं उसके संस्कारों का दोष है।

केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदी कैदियों को सीसीटीवी इंस्टालेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, आरसेटी-रायपुर के माध्यम से केन्द्रीय जेल रायपुर में विचाराधीन एवं सजायाफ्ता कैदियों को कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 दिवसीय इंस्टालेशन ऑफ सीसीटीवी कैमरा, फायर अलार्म एवं स्मोक डिटेक्टर विषय पर 34 कैदी को प्रशिक्षण प्रदाय किया गया, जिसमें सीसीटीवी इंस्टालेशन की तकनीकी तथा उद्यमिता विकास के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदाय की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन संचालक श्रीमती नम्रता जैन की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर मिशन संचालक द्वारा प्रशिक्षार्थी कैदियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी उनके अनुभव एवं प्रशिक्षण से लाभ के संबंध में जानकारी ली गई, साथ ही जेल में बंद कैदियों को और किन-किन तरह के ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदाय किया जा सकता है इत्यादि विषयों पर सुझाव मांगे गए। जिस पर कुछ प्रशिक्षार्थी कैदियों द्वारा जेल परिसर में सामान्यतः ग्रामीण जनजीवन को आधार बनाकर कृषि, पशुधन से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करने और बंदी कैदियों को बाहरी दुनिया में बेहतर अवसर प्रदान किए जाने की मांग की गई। कैदियों की क्षमताओं का सृजनात्मक उपयोग के लिए आगे भी जेल परिसर में विभिन्न प्रकार ट्रेड जैसे-कृषि कार्य, नर्सरी, सिलाई एवं बेकरी इत्यादि में मांग अनुरूप स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण करवाने हेतु मिशन संचालक महोदया द्वारा आश्वासन दिया गया। उक्त प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम के दौरान अमित शांडिल्य केन्द्रीय जेल अधीक्षक रायपुर, दीपक मिश्रा, उप आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर,नवीन कुमार सिंग, निदेशक आरसेटी, कौशल कुमार मिश्रा, सीनियर फेकल्टी आरसेटी रायपुर, श्री शशांक दीवान जेल शिक्षक, चंदन साहू प्रशिक्षक एवं दिलीप कुमार यदु एफएलसी उपस्थित रहे।

हिन्दूओं को 4 बच्चे पैदा करना बेहद जरुरी

रायपुर। हिंदुओं को 4 बच्चे पैदा करना बेहद जरूरी है, इन चार बच्चों में से दो को अपने पास रखें, एक को सनातन सेवा में और एक को राष्ट्र सेवा में लगाएं। एक ही बच्चा होगा तो किसे अपने पास रखेंगे और किसे धर्म रक्षा में देंगे? लड़कियों को लव मैरिज नहीं करना चाहिए, वे प्रेम का विरोध नहीं कर रहे है लेकिन लव जिहाद का विरोध है। प्रेम विवाह हो, लेकिन वर कन्या के योग्य हो इसके साथ ही माता-पिता की सहमति भी होना जरूरी। शनिवार को कथा शुरू होने से पहले पं. प्रदीप मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए उक्त बातें कहीं। अमलेश्वर में शिव महापुराण की कथा का कल अंतिम दिन है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ को काशी बताते हुए कहा कि जैसा काशी में महत्व है वैसा खारुन नदी के हठकेश्वर नाथ का है। कथा करवाने वाले भी वहीं है और कथा करने वाले भी वहीं। मुगले के जमाने में मंदिरों में लगे ताले के जवाब में उन्होंने कहा कि जिन मंदिरों में ताले लगे हैं उन्हें खुलवाने का प्रयास कर रहे है आने वाला समय वाले में जो मंदिर बंद पड़े है वह खुल जाएंगे और स्वयं शंकर यह कार्य करेंगे। जो भी धार्मिक आयोजन होते हैं वह खुले मंच से होते है और इस दौरान लोगों को यह प्रेरणा दी जाती हैं कि धर्मांतरण रुके लेकिन जो अधर्मी हैं न कहीं न कहीं उन्हें बरगलाने का काम कर रहे है। उनका अधिकांश फोकस अनपढ़ व ग्रामीण क्षेत्र के लोग होते हैं जो उनके झांसे में आ जाते है और सनातन धर्म को छोड़कर उनके धर्म में चले जाते है। उसमें कुछ गलती हमारी भी हैं कि हम उन लोगों को समझाने का प्रयास भी नहीं करते हैं लेकिन हमें अब प्रयास करने की जरुरत हैं कि उन्हें समझाएं, हम यह प्रयास करना शुरु कर देंगे तो वे धर्म परिवर्तन करना छोड़ देंगे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.